## र्चेम्'अरमोटार्सेट'या

दे'WC'कुयापअश्यादमे।'यदुक'र्केश'ययेया'ग्रैश'मानुश'कुद'माशेर'घट'रु। सूट्या क्यान्टा केंगार्थेन्या र्सेग्यासुयाची पुरिन्यायस्य उत्तापा हैयाया हैया अर'मुं'र्द्ध्या'तु'मु'ग्नर'यपे'म्बर'मुंब'मुयाद्यय'वब'र्ष्यद'रेटा घ'व'र्क्षग्वयपठन'तुब' श्रेटॱर्षि'त्रॱर्देटश"वेश'मशुटश'र्थे5'य'नवेता"नेट'रनश'र्ने5'ग्रै'र्रेश' रैग्रबः"वेरावादरेप्दाईस्यायं देप्दान्यायो सेस्रबः शुप्तकर सूर्वाद्या ईस गुःश्चेना स्वरम् अहें सामित्र स्वरम् स्वरम्यम् स्वरम् स्वरम्यम् स्वरम् स्वरम्यम् स्वरम् स्वरम् स्वरम् स्वरम् स्वरम् स्वरम् स्वरम् स्वरम् स्वरम पशुरावसमारु पासान् रेप्तिप्तिम् सालुग्रासालिगानायसासे दारेटा १३ गा यर'मु'रैग्'ग्वर्य'ग्वर्य'यहे'केद'र्से'वेय'यदै'नुय'दशुर'केद'र्से'ने'धैय'यद' <u>बुगबाने। यात्रामात्र भें तायि केंगायमाया ने प्रामीया नर्गे बार्के प्रामीया ने मामात्र वा</u> ग्रयम्यहेते प्राष्ट्रप्राक्षेत्र हो "केट लेव "दट "ग्रालेव तु। "दट "क्षेट हें प्रथ "र्सेग्रय नर्गोवानिक स्पेरामा राष्ट्रा हा क्षुरारे के कि में राषेटा के विश्वेस सासु सुकार्ये रासा स्वीक यपैर्द्रकेत्रार्ये हेरायपैषार्वेत्रकाक्षामु गुरुते। त्रमाधितायदायेग्वा हेराणी पर्हेमासूरबर्दा यदेरस्यामी द्ये यारेमबर्यका शुः खदार्केबर समबर्ग स्ट्रा पर्ने भ्राम्य महेन न्यापर्हे मा प्रतिन पर्पेता दे प्रतिन में के साम के सम्मान पर्वे मा प्रतिन पर्वे मा प्रति न प्रति न पर्वे मा प्रति न प्रति न प्रति न पर्वे मा प्रति न पर् मैशमान्स्यम्भदार्श्वम्यार्मिष्पेदारुषा महेदानुपेत्राक्षेत्रपह्मानुदार्थेदायाः ५८। भै'रे'५ग'य'लैय'यह्मा'याभागभ'य'र्सेम्भ'ग्रे'भै८'र्युक्'क्शम्बे'यहेर' केवर्योविगान्य के र्श्वेया विदाय द्वादे प्रविवाद में विश्वाद के विश्वाद के विश्वाद के प्रविवाद के प्रव विगामीयायर्हेरामुमार्छमायाविगायम्राण्याम्याचर्र्वारेरमामी स्नर्का वे १३४१ कुट'य'रदा ग्रीचे'यहेर'सेर'य'यर् यालेग'र् प्रचे यलेत'र्थेर्। विटार्के सेसस'ग्री' सुग्रासु दुरु प्रेत्य प्रमा के दे प्रमान के साम दिए सु में प्रमान के साम प्रम के साम प्रमान के साम प्रम के साम प्रमान के साम प्र क्रैट'मॉर्नेर'मु'मु,च'अघर'पर्दे'रु,अ''माट'लेम'य'चुट'च'र्रटामु'र्रट'मुेत'मट' यायहेन नमा चुटायारे दाद्या ने नि दे नि दा मुल्याय है यायदी से पे प्रति पर् र्द्याची नट चुट न नट । कु नट क्रेन पु स्व क्षेत्र क्ष क्षेत्र क्ष क्ष चुट न विवा ध्येत यर पर्दे द दी कु दर के बे कर पदि के बार शु के अधुक के प्रश्र दि दे द दु बार पहेगा हेत भी द्रश्राप्त विगाप करा श्री द भी मुंदि द में ते स्वर्ग स्वर्य स्वर्ग स्वर्य स्वर्य स्वर्ग स्वर्ग स्वर्ग स्वर्ग स्वर्य स्वर्य स्वर्य स्वर्य स्वर्य स्वर्य यहेत्र'त्रयाचुद'य'विगारेदा यर'रु'कु'क्रेत्र'दे'दग'र्घस्य उद'ग्ययय र्ठस'विग यम्दाना चेंदाण्चे सम्भादमेंदा उत्रासम्बन्धायायन यदी सुन्दा वें सुन्नादिना र्मेषायायाय्यम्यायाय्यदार्थालेषापेयायमानुष्वश्चमञ्जेदार्वेता देव्हायदेनुकेयदे इस्रायलगारीमायोतुपरीप्धायुप्तिगामीक्रायमीक्रियायीयार्थीयार्थीयार्थीयार्थीया नवरक्षेत्रभेत्रभ्वरम्य निष्यसम्भर्केष्ठित्रम्य मिक्षेत्रभविष्यम् । ॻॖऀॱढ़ॖ॔॔॔॔॔॔॔॔॔ज़ॱॸॖॱॱॸॖ॔॔॔ढ़ॺॱॸॖ॔॔॔॔॔॔॔॔॔॔॔ढ़ऒऀॱॾॖॕ॔॔॔॔ढ़ॱॹॖऀॱॾॕॖ॔॔॔॔ढ़ॵड़॔॔ॿढ़ऄढ़ऒढ़॔॔॔ ठे<sup>ॱ</sup>क्षेप्र्यामुः स्याप्त्राय्याया के के त्या के स्वाप्त्र के त्या के स्वाप्त्र के त्या के स्वाप्त्र के त्या के स म्बर्यम्बर्यकेत्रचेदि द्यरखुट द्यम्म मिष्ट्र यायय द्यूट बिटा म्बर्ट में र्स्सेयः मु'य'र्सेट'नदे'र्सेन'मु'न'दम'मैस'म्सर'रु'नर्नेन'न'धैन। मिंर्केस'स्'न'दर्दे' देट'र्यब'रुब'र्दा ळॅब'रेगा क्ष्मा'यर'रेट'र्यब'र्येर्'ग्रैं र्रेब'रेग्बाब'र्वेर' यदै'दर'ग्रै'र्देग'क्ष'श्वेय'य'धेक'र्सेद्रा यश्वअ'र्त्ते'श्वेट'त्रग्'य'यक्रट'र्थेट'दुश्रा बेशबाणु तिष्ठे सुहबादि। केना ने निर्माण सुहबा निर्माण सुधा विश्वसाति सुधा विश्वस

जिरिमाम्बरः भुष्यद्वाद्याद्याद्याद्यात्य । अस्तुया एत्यायाः ईस्यानिसः र्वेनासः इतः व्याप्ति । विद्याप्ति । विद्यापति । वि

दि वेंद्रक्ष्य मेर्द्रिय स्वया श्री कें असे माया क्षेत्र स्वया श्री द्रिया स्वया स्

भ्रेया द्वारा दे द्वारा में भ्रामुन द्वारा दे या वर्षे या वर्षे या वर्षे दे दे वा वर्षे दे विष् ર્કેઅ<sup>ૠ</sup>નાયાનાના કુરાયાના તારા કુરાયાના કુરાયા કુરાયાના કુરાયાના કુરાયાના કુરાયાના કુરાયા કુરાયાના ક ि । इंदिल्या क्रिया दे'द्रद्र'चेंद्र'चेंभेशक्षेत्र'माम्बर्ध्रयंचे पद्मेवाचा एद्र'यर'त्रा विवास'तुद्र'द्रद्र'यद्र'स पत्रुअःर्सेग्रयः ग्रैसः "नेदः सम्बर्धेनः ग्रैः र्हेसः स्ग्राः पदिः "नेदः सम्बर्धेनः "ग्रैः र्डेअ'ग्निस'विग'णेत्र'ष्रिय'ग्रैस'क्षेया'र्ठे प्रुच'तु प्वेत प्येत प्येत प्रेत प्रेत प्रेत प्रेत प्रेत रवबारुक्'"द्राः "द्रीटारवबार्चेद्राणुः ईकारीमा"मानेबाणुः वम्याववेषाणुः र्सूरः यारुपात्रम्प्रात्म्युन् हें भे देवा र्डे अप्यने प्यह्मायश्चायम् यम् युक्त विषेत्र विषेत्र विषेत्र विषेत्र विषेत्र विषेत्र विष्ते विष् र्थे अट में नियत्ह्रमा मुर्यायदे प्रमुर्या मुर्यायी मन्त्र में भिष्टा प्राप्त के के लिए ब्रूट भेर र्दा अर्वेट कुट र्सेम्बर ग्रैंबर कुप ग्रुट सेर प्रमार्ते म्बर् स्विम मीबर ८८७४वा चै में द चौ देव माहेर ठव दमा वा वर्षे बार्से वा उसा चैदाया देवा नम्भन्यर्रेशयदेग्विन मेंद्रधेगापुयम्य मिन्स्य सु। मेंद्र से स्सर्य श्री स्राम्य यदे'य'द्रा ग्लेंग्यदे'यदे'ध्वैर'तृ।द्रध्वैद्र'हे'द्रा'सु'द्रग'र्सेग्र'णु'र्सेद्र'द्रा'देर' गैं र्रेअ रेग्ब ग्रै क्ष प्रायक्षेत्र परि धे गे प्राया सम्बद्ध सम्बद्ध सम्बद्ध सम्बद्ध सम्बद्ध सम्बद्ध सम्बद्ध धैमा'मु'भेद'यर'म्रस्यश्युद'द्रद्य'य'द्रद्। यर्गेव्यार्श्वेद्र'युर्यस्येद्र। मु'सर्वद्र'र्छ' थेत्र ले ता स्त में या या या या राष्ट्र राष्ट्र या के या राष्ट्र राष्ट्र या य है द्रा कुष्पेग र्सेग्राणु अद्भद्ध प्रदायुर द्रव्या अगर्से राया भ्रम्से प्राप्ती माप्तर अर्वेद प्रशादित प्रशाद प्रशाद प्रशास अस्य उत्। में द 'येग 'तृ' येद 'यदे 'स्रश्य 'शै' **न**ष्ट्रब्र'नर्रेब'क्षब'यब'नर्गेय'र्ठे'युन'नुब'र्थे5'। धैक्'क्पट्रान्युन'य'नुेन' *য়ৢ*८য়ॱदेॱदे८ॱदुয়ॱतुयॱऄॗ॔गॺॱয়ुॱदरॱयलेकॱयदैॱयाग्यायदोॱदयुदॱर्रेक'दद्ये पदे र्श्वेयायनिम्पु। स्यापे प्रमायस्य दे भ्रूपायपे के द्रानु में मार्थाय द्रा युदाय देन <sup>श्</sup>र्वेग्यानुयाने रूप्ये र्याये र्याय उत्रे श्रुवा व्ययानुयार्थे । श्रुरायन्य

य्वन भ्रेषाध्येया का सदार्थी र्श्वेर गूर्याया दे द्रापाया विषय स्थित र्श्वेर स्थित र्श्वेर स्थित र्श्वेर स्थित स्थित र्श्वेर स्थित र्श्वेर स्थित र्श्वेर स्थित राष्ट्र स्थित राष्ट्र स्थित राष्ट्र स्था स्थानित स्थानि र्वर दर खूत यदे न द्वर पर्वेश विगा नुतर कग्रा श्री र र्वे दा वरे र मो द र्वे वा व र्डभ'न्टार्चेन'ग्रै'अायब'न्यट'न्या'यीब'र्खेन'नु'केन'नु'श्लन्यां श्लेट'यदे'स्रुर'न्। र्देन हैं। क्षेप्राच्या प्रमाप्त केमाया सुप्त चुट हे। दीया प्रिप्त प्रमा केमा दिया दिया सुप र्येप्तमादारेदरार्लेरामु प्रेंबार्धेना सुरारेमाबामाध्रेबाण्चेबाङ्म्यायदे सामदे नि हे। न्युन्यम्यु लेखानम् यायबाङ्गन् काम्बन्यालु कु खेन्। यन निन्य वर्षे नदे भ्रम्यश्रु। भ्रेर ग्रेपिर्विद्येसश्य द्रा स्वार्रेवा वीश भ्रूर् द्रश्य प्रद्रा श्रे पर्देन्यवै'पाषट'र्युष्ययार्श्वेष्यष'र्छ'ष्यटाबेन्यर'र्स्युन्यवै'सेषा'मेवा'ष्ववर य'विग'गैब'देट'तुब'णै'तुर्रमुग'यायब'दग'या'यक्ष्य'यदे'द्युद्र'य'र्रथ'येबा ८ या इट प्रवास के प्यट के पेटा मेग्राय प्रताय देत प्राय के प्रिय के प्रताय क पर्ने प्रायापर्से या पर्ने प्राया के वा विषय स्वाया स्वया स्वाया स्वाया स्वया स्वाया स्वाया स्वया र्भेयभीगायमा क्षेराणीयित मेममालिगातमाया भीयहेत स्वीरिय प्राप्त स्वीर्थ स्वीर्य स्वीर्थ स्वीर्थ स्वीर्थ स्वीर्थ स्वीर्थ स्वीर्य स्वीर्थ स्वीर्थ स्वीर्थ स्वीर्थ स्वीर्थ लु'म'धेना

रैगायात्रशयाश्वर पहे केतर्यो

श्चिर्यम्हर "ग्रास्य स्वहे" बेर्य्य देश मृत्य देश कें मृत्य हैं मृत्य स्वार्म स्वार्म

परेमसायार्सेम्साम्याम्सार्चेनामार्चेनायि सुम्सास्यान्यास्य स्वाप्तान्यस्य स्वापत्तिस्य स्वापतिस्य स्वापति मु'न्द्रा दे'निबेद'न्यय'वर्चेर'यवद्याग्यरमहे'र्थेद'दे।द्येर'द'र्हेद'ग्रै'मुय' र्चे ५८। ५र्चे इस्य विषय के सम्बन्ध के स्वत्य के स यत्र र्द्धत्र त्य 'दर्गेष 'क्षेत्र मु 'द्राद्र मि 'द्रीत में द 'त्राया प्रमा में द 'द्रादी 'सुमार्था क्षेत्र ' विगानु मङ्कुरामा भू तु नि मुक् मिर्धिना प्रकार्भुगवा ग्री निया पर्वे रायवा वासा र्रेट 'सुम्बर्ग ग्री' द्यया पर्चेर 'या वश्चर 'या क्षु त्या या बेर 'यह क्षेत्र अपद्या पह्नामी निया नुप्राची मार्थिय पहिं चेरा या राज्य प्राची सामित्र की प्राची सामित्र सामित सामित सामित्र बेर हैटा वर्डव दर भुग्राय प्यान मुर्गे सुर मुख्य दर खुग्राय दे के प्रमुक्त पर बेर'यर'अर्देका वर्दअ'मुद्दिर'न्द्विर'नवि'ग्रवर'यहे'अद'के'य'के'कय'शेद'द्दा <u> न्ययापर्मेर मुःगबर यहे धेवा ने करीग गवसगबर यहे सेन या रेन न्या ले</u> वा ने यदा अपने के प्रदेश दिया हेत पर्ने प्रारमा यात्र या की दान माना स्वीत या की दान माना स्वीत या की दान स्वीत या की दान स्वीत या की दान स्वीत महे'यमप्रभूषाचुरार्थेन्।यहराधवावाचे'रुटान्। हे'र्यवाची'र्छो'त्तुवाधुयाची' ायके प्रायोग प्रमुख्या है ने प्रमुख्या के प अप्टेमिश्चिराने के समया के प्राप्त का कार्य के सम्बन्ध के समित्र ॻॖऀॱएकरॱसूट्या देॱचलेत्रॱयेयय'ॻॖऀॱद्येग्यायद्भ्गयायार्ज्यायाः स्टायाः हैद्वया ଵୖୣ୕୕୴୴୴ଵୖ୕୴୶୕୰ୠ୕୶୴ୢୡ୶୷୰୷୶୶୰୷ଵୖ୶ୢ୕ଽଽ୶୷୴ୖଵ୶ୢୡ୵ୡ୕୴୶ୢଌୢୣ୵୕୶୶ୄ *५५*ॱयःग्रेन्'नुःमञ्जापादे'सेनाधीत्रवदर'"सेनानात्रवानावस्यान्यस्यहे" ग्रुट्प्यावैः मैक्'मु'क्ष'शुट'शुट'रेट्। क्रु'सर्वक'रे'धेक'बेर'क्। रैग'ग्वक्ष'बेर'यदे'र्केग' पर्नेभेव फुन क्या र्रेन हें मा उव ग्री प्राष्ट्रन रेगा धेव लिया भ्रमा प्रमा प्रमा प्रमा प्रमा प्रमा प्रमा प्रमा है भूर चुर र्द्ध्य दे नश्चर कुर्ग दुर उत्र मु मोर मिल लिग रेता मु अर्द्ध र छे प्येत बेना र्चेन ग्री पश्रम पर्वेश र्शे ग्राया मान्य पर्वेश में या प्राया मान्य पर्वेश मान्य भारतीय प्राया मान्य पर्वेश मान्य भारतीय प्राया मान्य पर्वेश मान्य प्राया मान्य पर्वेश मान्य प्राया मान्य मान्य प्राया मान्य प्राय मान्य प्राया मान्य प्राया मान्य प्राया मान्य प्राया मान्य प्राय मान्य प्राया मान्य प्राया मान्य प्राया मान्य प्राया मान्य प्राय मान्य प्राया मान्य प्राया मान्य प्राया मान्य प्राया मान्य प्राय बेगायायह्मायाक्षातुर्दा द्वीताहेयाकेमानु (culture) नेगाम्बर्धा बेनाया

पदी बुदार्थेट्याधेद्याधेद्याधेयाधेयाधेयाधेयाधेद्याधेद

ग्यर'न'नठब'ग्रैब'र्झे'क्य'ध्वै'र्ळग्य'र्थेटब'ग्रै'नवयअ'र्त्ते'स्र'र्द्धप्र'नहे' दर्गेब्र"लेब्र"रेग्राग्वब्राग्वस्यस्यहेयुदर्गेब्रायायम्दर्धेत्। रेग्राग्वब्राग्वस्य महेदै'केव'र्येदै'न्भेगब'खुवा'वै'दर्चुन'सेन्'ग्रवा'नैस'क्सबा'ग्रैब'स' रुदै'नैद' त्युम्बराग्चै'प्रबंध'प्रदे'प्रमा'कम्बर्धाय्यस्य उत्मिर्द्ध'सेवापुर्वा है। हैं र्केम्बर्द्धार ॔ॶॖॖॖॗॿॾॱॻॖऀॱॿॖड़ॱढ़ख़ॺऻॺॱॿॖॱॻॱढ़ॺॺॱॶॖॺऻॺॱक़॓ढ़ॱय़॔ॱॿॖॆ॓ऀ॔॓॓य़ॱॻॱड़॓ॱय़ॱॿ॓ॸॱॻ<u>ऀ</u>ढ़ड़ॱॲ॔ड़ॱ यनेत्। १८७७मेंदेर्युः त्रायः परे केंबा १८३ तर सेंदिर सें मृद्या मेंबा मृद्या দেমষ'র্ডেদেষ'য়ৢ'ॸ্'ॸॖॖॸ'ॡর্ব্র'ম'য়ৢ'য়৾ৼৢ'ॸऀॸ'য়ৢঀৄয়'য়ৢ'ড়ৢ'য়'য়৾'য়ঢ়৾র'৸ঢ়৾য়' ग्रैबाम्बाबाकेन पें पेंद्र श्रुमाम्या देवा प्रवास स्वाप्त स्वा मुेर'दर्गेब'का भै'क्रबब'णै'यद्भेबद्रा यबअ'र्त्ते'यक्कर'य'द्रा एद'यर'र्नु' रैमामात्रशमाश्यरः यहे ये दुर्दर्गेश लेश यम्द र्थेदा में दे मी यर्गेद यदे यञ्चमाश गिन्सरे प्रसम्बद्धायायायिका रेगाम्बद्धायास्य यहेते द्रसम्बद्धायायाया वै। क्रैट प्रिले (四日)गर्नेर प्रदेश्वें क्रिक्य पर्ने क्रिय प्राप्त क्रिय प्राप्त के के क्रिक्य क्रिक्य प्राप्त क्रिया प्राप्त के क्रिक्य क्र गुै'प्रष्टिर'सूटश'क्नेट'या रैग्ग'ग्नुबश'क्नेट'या गेंअश'र्खेय'क्नेट्या र्धेट्र'य'क्नेट'य' नठसरेत्। बेदिर्रेर्द्रप्षेम्बानुन्नम्मिर्मर्ग्यस्यम्रेर्म्यस्यदेर्द्रभेगस्यस्य क्रिंराम्बेटर्न्था "कयाश्चेर्णे क्रेंचश्मुगश्माश्चरपार्दार्व्याप्तर्वेरणे क्रेंचश मुग्रायायराया रेगाग्रह्या भेर्यसम्बर्धायायरायायर या र्या रेगायहरा मुग्रह्म स्वायाय स्वायाय स्वायाय स्वयाय स्वय **ॻ**ॾॆ॓ऀय़॓ॱॺॖॕॻॺॱॶॖॖॖऺॺॺॱऄढ़ॱढ़॓ॱक़ॕ॔ॱक़ॆॱक़ॻॱॺॖॆॸॱक़ॗॆऀ॔॔ॸॱॸॗ॓ऀ॔ॸॱय़ऻ रैगाग्वम्बाक्केट्रायायस्यायार्ट्राम्यायुष्यायम्बार्यम्यारेत्।"वेयाद्या "गर्नेरा दर्गेशमी'रेदा दे'र्के'अघर'धुक'यर'मार्नेर'दर्गेशमी'रेदादे'र्के'मार्नेर'य'द्रः रैगा'ग्राक्र मार्थर प्रहेदै'केक'र्येदै'सु'प्रदे'ग्राक्र पु:सु'सु'क्रग्रथ प्रश्न प्र्यं र प्र'र्पा सर्देर'नश्रूब'न्देर्येदे'र्हे'रुट'मेब'नन्द्र'य'न्वेन् रेग'मन्ब्र'म्बर'न्हे' 

वासर्वेदादारीयाम्बद्धायाद्यार प्रमेति केदार्यासर्वे पर्मात्याद्या विषया अकि। मिटा दे प्रतिवाद्धाः भू अर्केदाका मेंदा ग्री प्रस्व पर्वे वा वा विवादि । <u> न्ये न्य र्श्वेन्य क्ष्मा भ्रुय र्य्य य्यं न्य या या या वित्र या या वित्र या वित्र वित्र वित्र वित्र वित्र व</u> वयादर्गेवायाययाकेवार्से पमुपाळ्यापाद्यापाळेंदाह्याद्या द्ये कार्येग्या नर्डेमः पर्दा गलुदः दुः नसूमाळ रामारेता दुगा सुरोगा है सार्वे वार्ये पर्ये पर्ये पर्ये पर्ये पर्ये पर्ये पर्ये यद्रा भ्रुत्रम्भा र्रे भ्रेषण्युः क्रियं युः क्रियं युः विष्यं प्रदेश प् दर्गेव या दुगार्रम श्रीमार्भे सेमार्भे दो दे प्यटामाली मुनिव मृत्र कुटा या दि सिवि समा यर्ज्यानिगरेता तेप्तयर्भगाग्वयाग्यस्यहे अर्गे र्स्या युदिरह्या (दर्गेक्'याञ्चावदा अर्केद्रका द्येका घटागा द्यार खेंवा गेंब र्सेग्ब पद्रबः नवै'१९८८ क्रिंब'या नर्जेबानवै'कु'ह्बाक्केट'न'वसबा उर् रेबेनाबासर्केब'नवै' क्रैट'य'ष्रम्याउट्र'यर्डमाळ्य'य'द्रा युप्ते क्रायार्यमा गुप्ते स्वायार्यमा गुप्ते मान्या शु र्केनाबानाबराय"द्धातुः विना मुक्ताबाय स्ट्रा स्थिता स्थित त्रादा देश दुरा दुना स्थान नष्ट्र पेंद्र यादी भे इसस्य ग्रे सेसस्य मिंद्र में सेसस्य ग्रे पिंद्र सेद्र स्ट्र स्ट्र देया ग्रम् ग्रियार्थेया र्धेन्यायस्य देना नेयस देगा ग्रम्य म्यूर्य स्थित भ्रम्ययायम्यम् मृत्यम्बर्धित् द्रा यर्डेयायर्थेम् स्वायाण्ये स्वायप्तारे वायरा यदे मायर यहे लिग ५८। यें ५ अदे खेसब मिंट में खेसब ग्री प्रिक्तेय केंट य यस्य उर् पर्रेस परि रेगा ग्रम्स ग्रम राहे लिगा धेता रेगा ग्रम्स ग्रम पहे वैन्देन्द्वराष्ट्रयायात्रेत्रत्यालेना वेनास्यराज्यस्यार्थेन्यात्ता इस्रान्धेत्रणे यम्यम् कर्यद्रास्त्र क्षेत्र यदे नुष्य प्राप्त मानी मिन्द्र द्राष्ट्र प्राप्त दे होया बिद्र मिर्के จ๊า"รุมราษ์าหูราว"ผูราวเว้า"รุมราผูรารุมๆ"(红卫兵)าพิสาศิลาฝิรา यनग्राको क्रिट्या वित्ता क्रिया क्षेत्र या क्षेत्र का क्षेत्र का क्षेत्र का क्षेत्र का क्षेत्र का क्षेत्र का क

इससाया "क्षेटा क्षेत्रस्य "ग्री सेटा मी 'त्मा तसा रटा मी सासा रटा दमी मता रटा यदुग्'य'रे'रेरा रेग्'ग्वरुष'ग्बर्य'यहेदे'श्चय्यस्यु'श्वेट'र्स्वेय्य'वेर'यदे'ळेग्' पर्नेभिन्न मृत्रसमाया केन पे कमारा मार्थ पर्या के सुन ले ना में पे स्थान इट्यायदेव'यदेव'य'दग'यायहें अ'र्देग्य'द्रा'लेव'य'केव'र्य'ग्रेंच्ग्या'यादें वा यम्यर्चेम्यर्गेम्यत् क्षेट्रक्षेत्रमाकेत्रचे विगामेत्रत्य चर्चेम्युयर्थेत्याम्येत्र दे'नश्रुद्रभूनश्रचेर्यपे'केंग्यदी ग्रथरानहे'न'न्ग्योशायक्रासहे' यहैक'यर्नेक'मैक'र्थेन'य'न्दाक्षेट'र्सेनस'बेर'य'य्दै'क्वैट'य'गर्नेर'र्यदे'र्सेनस' य'रे'य'बेर'यलेक'र्थेरा पर्रेर'क'रेग'ग्रथर'के'यर'अ'पत्रुअ'ग्रुश्गग्रुर्थ्या मिन्न मुम्मप्रस्थर में उन मुः "भेरि गूरि निरे र्से अपमुष्य केन पुष्य दुषा कैंद'यने''यश वर्ष प्रस्था मेंद'यदे कें 'स्यु'ने माया देश दिन ग्रीश मुग्छय मु श्चेत्राचारे देता दये देवारे के मुख्यामी महिमार्चे शिक्ष कर पर्वे दार्थमा मी र्श्वेमा क्या **बटार्चे न्यर क्षा कु । ख्या नुः श्वेया या न्या ने के ग्वाया कुया श्वेग शाम र्डे ग्वुराय दे**। र्चेर्णुं मार्यर यहे केट मार्नेर यर्ग प्या र्वेदे से रें मूट मी मासुट से अ देगा द्या दे'के'१९७७वेंदे'सु'त्व'पकुद्र'यदे'र्स्र्र्जाय'से। सर्दे'सूद्रदेग'य'द्युद्र'पदे'र्गेद्र' ष्ट्रिर मृग्मग्राया रेय में ट रें ट र्ये दी बिट या यें में मा क्रे दिता कें त्र यह या है **नदेॱश्लनसःनेग'धेरु'य'५८। बे'ह्यब'णु८'८'नकु५'णुे'५**बग'द<u>षु</u>ग'५८। अर्केट र्सेट केत रेंदि स्नाय शे रेंचाय सेंध रेंचाया शुय शे प्रदेश साम प्राया प्राय प्राया प् यसम्बर्धित स्था वित्त से सिंदा मुनाय र्यस र्थित या निता हुना सुना सुने से सिंदिय भर्रे श्चरण्णेश्चप्त्रम्पर्गेन्यर्गा सुम्ना रेट में र्गेन्केना रेपनेन्दे

भ्रैबाम्युः क्राटार्श्वम्बायस्थ्रमा दुमाश्चीतायदेन प्रायापायायाय सेयदा र्थेन केंग यम मुना ने पन् पति कें कें लिया प्राया उत्र कें न्या प्रमुक्त में प्राया कें कें प्रमुक्त के प्रमुक् <u>५गु'रुट'र्स्थ'य'बेर'यदि'श्चे'य'ढ्ट'ढ्ट'ढ्विग'क्या</u> र्स्थ'यहुगबुस'ठक्'मुै'टीय'य' विमामीबामुयान् द्यासमा केमास्या क्षेप्याक्षेप्याक्षेप्याक्षेप्याक्षेप्याक्षेप्याक्षेप्याक्षेप्याक्षेप्याक्षेप्य में अर्थे दर्भाष्यमा अर्केदर्भामा है अर्थेदर्भा लेगा में दर्भा लाभा मदर्भे लिगा मी अर मुवानेमा विवायक्षानुबाबायम्भवायास्या सार्पार्के स्वाक्षान्या या ग्ययम् मु अर्के बेराम लेगान्य अध्यानु प्रकर प्रेयस चुया । खेश ची ग्वस र्ख्या गटाधेकाम्बर्धार्यार्हेग्राह्मान्याद्राप्याद्राद्धारा विदाशीष्ट्रीकाक्षाद्रमाद्राप्याद्राप्या ५८ सम्बद्धान्य सम्बद्धान्य स्थाने सम्बद्धान्य सम्वद्धान्य सम्बद्धान्य सम्वत्य सम्बद्धान्य सम्वत्य सम्बद्धान्य सम्वत्य सम्बद्धान्य सम्य सम्बद्धान्य सम्बद्धान्य सम्बद्धान्य सम्बद्धान्य सम्बद्धान्य सम् र्थेर्'य'र्वे'रुव्'रुव्'थेर्'य'र्दा अ'र्यय्यवादार्श्वेर्'ठ्व'विग्'रु'प्युर'पर्रेर्' यपै'मर्डेन'य'नै'देश'यर'रु'मुश'र्थेर'यर'शेशशा धैन'नपर'र्रे'श्वेश'र्ठेश'र्सेट' यम्बर्गेबरम्बुद्बर्यायः स्ट्रिंद्रात् र्देवरमूचरमुव्यव्याद्वर्याः सुमारक्षरमुखेसबरायस्य द्रा मिन्रभागार्थेन् रहेशमासुदार्थेन् पान्ता मान्यासिन् ने पाने स्वाप्तासिन के स्वाप्त विश्वास्त्रियात्रियात्रुदासुमार्थाः सुरुद्धा मुर्वेश्यादे स्थित्यात्र स्थान्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य स <u> न्याय प्राप्त विष्या स्वरं स्वरं या स्वरं स</u>्वरं स्वरं स् **अ**दै'र्रेग्यायाद्वायात्र्यात्र्याद्वायात्र्यात्यात्र गलु८'रु'यन्द्र'स्वालेग'र्सेद'यश'यदे'या'द्युद'यर'यु'यये'ग्वस्थ'सु'यग्रम्।

ॻॖऀॱऒॾॕॺॱक़ॗढ़"ॿ॓ॸॱय़ॱय़ॺऻॎॱॸऀॺऻॱॺऻॺॸॱॹॖऀॱढ़ॺय़ॱऄ॔ॸॱय़ॖ॓ॸॱख़ढ़ॺॱॺ॔ॺऻॺॱॺढ़ॱय़॔ॱ नर्गेर्'त्रुम्'य'य'न्रस्यत् विट'य'रैम्'म्बर्यस्य द्वा र्धेर्'य'र्सम्य उट्दामीक मुक्षार्थे द्राया के मान्या द्राया द्राया विद्वानीक के अपने प्राया "मीक प्रीया" भे'क्टे'र्रे'र्थेषा अर्थायप्यमार्थित्वायर्थेत्। यत्रवायहेटायवुगागी'क्टा केन मुन्ना यहेन अपे स्याप र्वेन यम पुना "नेन प्राप्त प्रमाय प्रम प्रमाय प्रमाय प्रमाय प्रमाय प्रमाय प्रमाय प्रमाय प्रमाय प्रमाय र्रे र्रेगा स्पर्वे प्रथानु न्यें एवेशा न्यायास्यायानुस्यायान्य न्युरास्था ग्रम्भवर्षेश्वयागुम्भवनेद्यायम्यम्याः विष्यवयार्सेन्दे स्थान्यान्य र्थेर्'य'र्दा श्रूट'मान्रअ'र्वट'मी'सु'र्से त्रु'य'र्स्चेय'अ'र्यअर'श्रुट'र्यमा'र्वट'र्टु' लुग्राक्त्यायदायदे सुरा "द्यारायहरू द्युदायदे यदा वित्या द्या द्युदा वित्या सुरा द्यारा सुरा द्यारा सुरा वित्या न्यमामी म्माय पहिं सपी " वेय न्यम सुद न्यमा मृ लुग्या य न्दा ने पवितः **५**अरःश्रु८:५अमःमेशःमिहेःची मश्ररःमहेःश्चमश्रम् र्रीःगुश्रःदश्ररःश्रु८ः **५**अग् इस्राङ्गेत्रया है। तुप्त र्झेवास्रिय के र्सेवास्त्रप्ति कर प्रमेश स्रीकाय है। नहें श्चित्रवाद्यां मार्था मार्थे का मार्थ का मार्य का मार्थ का मा भद्रायमाकेन् श्री १भाषमात्रुगात्रहेन् स्रुम् र्वेट्या क्ष्रम्भयान्गे मद्राम्भया गहेन्यकेंगा वर्षेद्वस्थायमें स्थापदी धेन लेखा हेन्से देने ग्रीप प्रति प्रकल विया याद यो श्वे में मुक पुर्चिक" विश्व प्रस्थ सुद प्रस्था प्रया यो विश्व प्रमानिक प्रयो मिक प्रदा र्<del>थे</del>क्'मुै'र्केशमुर्'र्शेम्बरप्र'र्ह्सेन्यमुहेर'तुबर्'क्बर'र्घेक्'यदै'दमे म्बद्'द्रब्यशप्र'हे'सूर' पवयार्सेन्'तु'र्स्व्याग्रव्यार्वेर'यार्नि'र्धिन्'यान्त्। क्षृग्'यर'तु'र्स्यस्याण्येया र्रामीश्रायायायायवर्षेत्युर्गिश्राद्ध्यायदायदेष्ट्रम् "गायोत्त्वाया क्विंपायायम्या हिंदाचीप्यत्यार्सुम्यारीष्ट्ररायह्या म्यरायहेदीर्मार्ह्म्यया अम्पराध्यक्षां द्योग्याकेन'द्रशेषां अम्पर्देर'यम्। अमाद्रदायम् ईर्प्यशेद्र र्थेर्'या गुरुर'यहेदै'यु'र्ह्हेर्'ार्वे'क्'हैर्।"ठेर्ब'रूट'मै'स'य'प्यप्य रेर्घरेट्'येट्र'

चड्गार्द्धपार्श्वगार्थायम्दार्थिद्विस्य चन्द्वार्थिद्विस्य चन्द्वार्थित्व स्थित्व स्याप्त स्थित्व स्थित्व स्थित्व स्थित्व स्थित्य स्थित्व स्याप्त स्य स्य स्याप्त स्थित्व स्थित्व स्थित्व स्थित्य स्य स्थित्व स्थित्य

दे'निव्यक्तम्भव मुक्ष्णा प्रेत्व मुच मुक्ष क्षेत्र मुक्ष द्वा प्रमुक्ष द्वा प्रमुक्य द्वा प्रमुक्ष द्वा प्रमुक्य द्वा प्रमुक्ष द विदेखीमायमान्यमान्यमान्यम् विद्यास्त्रित्यास्त्रीत्यस्त्रीम् स्वाप्यस्य विद्यास्त्रीत्यस्य विद्यास्त्रीत्यस्य विद्यास्य विद्या गैं दयद दु चुब दब दुव यम चुब द्वा यद दि दि चु विग येव यम बेबब हो दे वे ॉर्गर्दर'र्वेग्अ१अ१र्ह्सेच'चु'दग'मैश'व्यम्'ॸृ'र्हे'द्द'द्युग'य'च**त्र्**द्र'क्श'र्हेक'ग्रै'रे' र्भे द्रा र्केन के मुयर्थे द स्पेर क्षेतु खर दर क्षे के गुरु य के मायलेन थे द स्पर्दा दमो म्बर् दमा मी अर्मे प्यार्भेमा लु केट र्यो के प्रश्लेक क्या मिया दु मित्र प्रलेक प्या द्वा देंत्र'यूच'कुय'द्रद'र्थे'अ९अ'ग्रै'र्सूच'द्रग'मैशाय'त्रश''क्वेद'चवि'गर्हेर'हे। ठेशः भूरः पर्येरः र्भेगाः है। दगोः मुक्यस्य यायस्य स्ट्राय्य मुक्यः गर्रेरः गर्हेरः मिल्रु मिन्या मिन्नु मि ५८। ने के तु भेर ग्री मायर यहे वे व्यवाग लिगा ययम यलेक प्यें र या से दा अयय रेप्यन्ग्ग्गैर्यप्रेष्ट्ररणुट्रायेस्ययप्रमुख्ये र्वेष्युयामुख्यय्ययर्थे क्रिकेप्यपे र्श्वेत्रायमा हैमा मैश र्दे दामून कुल र्श्वेम् अप्ते कुट न न न न भाग भाग भाग स्वापन स् ८ॱर्ळेॱकेॱगु८ॱष्रकॱ५८ॱशु८ॱअग्वकॱग्रैॱ८्यरॱशु८ॱ८्यग'थेक'य'८८।८ॱळेंबा **५भेगशपुत्राके "क्रेटामिलामिर्जिन के मार्ने अपनिस्तर में मार्श के अपनिस्तर में मार्ग के अपनिस्तर में मार्ग के मार्ग मार ढ़्यायञ्चम्यायुर्यार्थेरायमाञ्चर्या येययायययारीम्यदीम्बद्धाय्यायम्**य म्लें सुरु मुर्चेशया कुट कुट दे पद्र लिया या उत्र क्रियों दाया सेया उत्र स्वर सेंदर में दुर्चेन्यम् विशयः श्वीप्तायः प्रमायः विष्यः याद्यः याद्यः

क्रेट'यर्नेर'ग्रे'क्ष'यदे'सिट्य'वे"व्यविदे'यय'दगुय""येना

स्यितिराययायम् प्रायित्म स्वामाने विष्मु सासु यम् न् न् न् रुट्याने माया के स्याप्त क्षिण्य स्वामाने स्वामाने विष्मु सासु स्वामाने स

रेद"रेबायम्दार्थेदायाद्वाव्याविदायबादगुवादीयब्याद्वीयश्चरावर्धेवाणी यसप्तमुवालिमायार्देशपदिन पुरार्थेत्। र्देनमूयामुवामुवामर्रिः पुरापदि पेद्राणे ग्रबर्यन्ते प्राप्त मार्गेषा ग्राप्त विषय प्राप्त प्राप्त प्राप्त के दाद किया दुर्गे दा भी किया विषय प्राप्त के दाद के दिन के प्राप्त के दाद के दिन के प्राप्त के दार के दिन के दि पह्नाप्तामर्भेर्प्यस्नामकेम्प्रियुम्पर्भित्यम् अवता स्यानिद्याम् स्यानिद्याम स्यानिति स्यानिद्याम स्यानिद्याम स्यानिति स्यानिद्याम स्यानिद्याम स्यान वर्चेन्'णुट'सट'र्चे'तुस'वर्मा द्येर'क'र्लेग्स'रुट'ग्नैस'रूट'र्मे्स'रूट'र्मे्स'रूट'र्मे्स'रूट'र्मे्स'रूट्म्'मे देट'सेट'दट'र्ये'क्ट'दु"स्थान्ने'प्रबादगुप्र'नेबा'यार्केमा'गरिमा'मीबानस्बाहे नम्दान् नम्भार्भुं नर्देश श्चराष्ट्री प्रमाप्तम् । नम्भारम् निर्मे प्रमाप्तम् । नम्भारम् । नम्भारम् । नम्भारम् नबसर्म्य नामान्य में वर्षे वर् नर्रेषः श्चरः नेुदः दर्गेषः द्ध्यः द्दा नुदः बेदः नरेद्दषः दर्गेयः गर्नेदः दर्गेषः द्ध्या **ढ**ंद्र'अदे क्षेत्र'तु:दूर'गशुट'सेद्र'ख्यादर्धेद'मेश'दूर'दूर'दूर'दूर'यद्र'सहस्र र्बेग्नबर्नेबर्द्धयानम्दर्धेद्यानेद्रशेषानम्दर्धेत्। स्यविदेश्यबादगुवा पर्ने की वें मुब्य ग्री नुब्य भ्रम्यवाया कर प्रयाग कर विया यी भ्रम्यवाया ग्री द्वार प्रयानी भ्रम्यवाया ग्री द्वार विया थेवा र्वेग'र्ट में खुतु गूव इव ग्रैंश द्वा प्रेट पर्दे मुख्य हैं खें नश्री मुखे ᡠᢅᢂ"ᠲᠵᡃ᠍ᡎᡃ᠓ᢅᢂᢋᢎᢩᢂ᠍ᡏᢣ᠈ᢠᢅᡪᡃᠴᠮᠸᡃᡍ᠋ᢩ᠊ᢖᡃᢋᠬᡃᡥᢅᠡᡈ᠉ᢅᡷᡴᡃᠵᢣᢩᢃᢣ गर्नेट दर्गेश "नेश नवे कन श्रेट णे प्रश्व त्मुय है। ये र्सेट स्माप्य म्रा रेट मी मुवार्चेवे वसायुग्यादा वे के अया नमुर्द्याया नम् सुरायवे नम् सुरायवे । **अत्र**ह्ते मुख्य स्वश हेवाशा

त्रै'त्र'ञ्चन्यस्यम्'त्रेत्' र्१००० रेनायर यहे चेरा धेत्र'त्र त्र्यायम्यम्'में नयर यहे ते हे अख्या क्षेत्र हित्र' हे अख्या क्षेत्र हित्र' हे अख्या क्षेत्र हित्र' हे अख्या क्षेत्र हित्र' हे विषय क्षेत्र हित्र' हे अप्त हर्म हित्र' हित

१८१८में प्रायो उद्यो क्रियास सम्बाधिय स्वाप्त क्षा स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्व विश्वसंस्थित्र के निर्मा प्रार्ट मियार्थ मियार्थ वास्ता निर्मुश्व वासी स्थापना वास्ता वास्ता वास्ता वास्ता वास ठैमामीया मुप्तमापरीपित्रेत्रअयामुरपुपर्मीर्येटपारटा र्वेनयाप्यत्रउत्मी क़ॗय़ॱॺॎॺॺॱढ़ढ़ॕॺऻॺॱॺॱय़ॖॖॖॖॖॖॖॖॖॖॖॖॻॱॸऻॱ<u>ॸ</u>॓ॱॸऻढ़ॏक़ॱक़ॗय़ॱॺॎॺॺॱॺऻढ़क़ॱॹॖॱढ़ॖ॓ॺॱॹॖॱख़ॖॺॱ य`**वे**ॱकु'वग'र्र्र्र्या'गव्य'रेर्'ठेथ'रेग'गव्य'कुट'य'ग्र'र्गग'य'कुग' यदे अर्गे न इसम् मिर्कें मुकाषसम् क्षेत्र यदे वनसमेस यद द्वा के सुन हो । <u>५८८४ॱगर्रे प्रथ्यासुम्बर्दा ४५८५ मार्थेग्याधेत के लेख कुरार्सुग्या गुःक्षारा</u> *ॺॖऀ॔*ॺऻॺॱॻॖऀॱख़ॱॸढ़ॸॱक़ॗॱढ़ॺॱॸॖॱॸ॔ॸॱॺॖय़ॱय़ॱॻॗढ़ॱय़ॱॸ॔ढ़ऻड़ॖॺॱॳॣय़ॺॱॸ॓ॱफ़ॱऒ॔ॱॸ॔य़ॱॻॖऀॱ *ॷॱॻॖॖॖॖॖ*य़ॱऒ॔ढ़ॱय़ढ़ऀॱय़ॷढ़ॱय़ऄ॔ॺॱॺ८ॱय़॔ॱक़ॗॱढ़ॻॱॸॖॱय़ॷॗॖॖॖॖॖॖय़ॱय़ॱॸ॒ढ़ऻॎॸ॓ढ़ऀॱक़॓ॸॱॸॖॱ गिरेरपिर्द्रश्रियः"गिर्वेद्रम्यस्य अर्थम्य मुख्य मुख्य द्वर द्वर्षि *ने*ॱन्याक्षेक्काक्षायी नेया यात्र अर्केट प्याया के रायदी अर्केत्र का क्षायु यु सुरुष नेया पदे र्सेग्रास्येप से प्रति स्थान स्य <u>चैशर्थेर्प्यप्ता रुशरेयपरिप्यकेर्पुपर्वेर्प्यस्वश्यप्यस्य</u> *ॺॖऀ*ॸॱढ़॓ॱढ़ॱॻऀॱढ़८ॱय़ॱॺ८ॺॱक़ॗॺॱय़य़ऀॱॿॖॱग़ॗय़ॱ८८ॱक़ॗॱढ़ॺॱॺॏॱख़ॎ८ॱऄऀय़ऀॱख़ॖॺॺऻ मुक्षामी मुवार्यदेविष्यसासुमार प्राप्त विद्राणी त्रुष्य स्वरायसासुमार विद्राणी प्रमुखा मुदे र्सेन्य अर्केन यदे रेन्य या मुर्जि प्रहेन यदे प्रस्त प्रम्य प्रम्य प्रम्य मुर्जिन में ८८ अ. १५ वृंग में अवश्रिया स्ति के स्वाप्ति स्त्रिया स्ति विश्वापति स्त्रिया स्ति स्त्रिया स्ति स्त्रिया स्ति स ख्र-'यर'ठक'रूप ख्र-'यर'ठक'विग'मी'र्देग'रु'चुट'य'विग'रेरा

## र्देन'गुय'कुय'द्राम्बर'यहेदे'क्ष'या

**ख़ॱॸऻढ़ऀढ़ऀॱय़ॺॱढ़ॻॖ॔य़ढ़ॸॱॸॖॗॗॗऻॹॖॸॱॻॖऀॱॸॺॸॺॱॻऻऄ॔ॱॸऀॸॱय़ॖॴॺॱढ़ॺॱॻॖऀॱॸऀॴॱ** माम्बानाया विमान्या विमान्या विमानाया विमानाया विमानाया रैमामात्रशमाश्वर पहेंदे भ्रवशस्य र्थेदे रें मृदमी द्ये देय प्रशमाल्य शैर्पे देयासर्वेदाकु सेदारेदा व्रवायमानु सेदी रेपन्दावीसाग्र ००० विमानिसानिस "न्बर्यम् र्रेंन्रेरायुग्यम् म्बरायपे इस्यायम् "बेरायान्। १००० यर्वेरा ই্রম্বাশ্রম্বাশ্রমানপ্রদামার্ক্রমান্ত্র্বাশ্রমান্ত্র্বাশ্রমান্ত্রমান্ত্র্বাশ্রমান্ত্র नम्ता"महैबादीःरेगाम्बद्धाः वर्षाः मह्यूराईकाम्बद्धाः केवामहैबाकम्बद्धाः थेंत्। ते'त्रशर्देत्'ग्रुत'मुय'मुय'र्थेग्रथ'याश्वर'पहेते'सु'त'सेर'श्वर्षपद'गर्दे'र्ने। र्वेदि'धै'माशुट'र्र्डभ'माठेश'यधुश'र्दा एट्'यर'रु'र्विट'मी'माशुट'र्र्डभ'माठेश' नष्ट्रस्य इट मी "न्स्य स्याम र्रें केट खुम्य म्याम्य स्यापे इस्य नम् " वेर न न्या "प्रकाखन देना स्वाप्त विनाय केंवा केंवा केंवा केंवा के निका निका समान के प्रकार केंवा के कि का कि का कि का कि क दे'गहैब'रेदा हेब'सु'यसूत'यर्डब'दे'गहैब'र्देव'गूय'मुल'ग्री'स्'गूय'द्रा ર્કેઅ'નાનૈયાયેઅય'યવે'વા છે મામુદયાન કયા છે કેના યવે સદ'ના લે ભું તું <u>ચુ</u>મ દેવા विट'मी'न इसस'र्केस'घसस'उ**८'क्ष'न**दे'म्बि'घसस'उ८'८्देस'सु'मुगस'ग्रे' नम्रम्यर्रेगपर्नेगार्रेगपर्वेषप्रचेषायर्षेत्। पर्नेन्यम् मुगर्नेमप्रचेष्य নণ্ট শ্লিস আমার্ নার্ম সি শ্লিক শ্রী রেনা শ্রীকা ন্রীকা বেক্তম র্আক্রিকা ক্রিকা ক্রী রুমার্ম ক্রিকা শ্রীকা নি ॻॖऀॺॱॸॕ॔ढ़ॱॻॖॖॖॖॖॖॖॖॖॖॖय़ॱॻॖऀॱॷॱॸढ़ऀॱॻऻढ़ऀॱय़ॺॱढ़ॻॖॺॱॻऻॶॖॺॱॺ॔ॻऻॺॱड़ॖॖॖॖॖॖॖॖॖॖॸॱॸॕॴॹ॓॔य़ॖॸॱ यदै'रे'य'र्थेद्रार्थेवा'स्रर'र्सेदै'रे'रुट'मैस'र्सेद'ग्चै'मु'त्वा'मै'र्रमा'ग्वस्य'ते। र्देद' <u>मुप्तगार्याम्प्राप्ताप्त्रम्</u>द्रप्ते स्ट्रिस्ट्रिस्य स्ट्रिस्य स थैत लेश र्षेत्र केंग मुन र्थे दादयेर तर्थे दे रें पृट मीश "यत खत रेग स्वा यलुग्रार्थेयार्केम्याप्रुपे र्चिग्मी ग्रम्यायम् "त्रार्-प्रमास्यार्धेमाया *न*दमाम्यायः देशया लनसाय देगसालु 'यस' यो क' क' दे 'वे 'नगस' नर्गे द' कु द' यहें क' रैट'ख़ुम्बरमी'रैम्'स्यारेट्। गुटमिदे'नग्बर्मर्गेट्'मुत्र'दिह्न'दुबर्'र्घर्यबर्मे' उत्पादाक्षेत्रायुरार्गामुगाबाकेकार्या हैना यह्यदार्थेदायारेदा "हेबाकु क्या मी र्थेन मु रेंग रेमाय रदा क्षेत्र मार्थ रदा रे प्रवित रेमा मान्य प्रथा उदायाया नर्गे ५ कु त पहें त ग्री क्षेर न ५ मा में ५ र में पा मान का ५ ८ में कि जिस्ता विवास परेगमालु मुर्णे प्रमाक रेगारेर रेमार्थर केमा मुर्पा परित्र परेता सेंपि रे पुर मी भिर्माय परिया है बर्माय प्राप्त प्राप्त कर है। देन मूच मुक्ष मुक्ष मुक्ष मुक्ष मुक्ष मुक्ष मुक्ष मुक्ष मुक् <u>५८।५र्मेन मुप्रस्थ उर्देर ग्रेर्च ग्रेर्च प्रम्य प्रम्य के स्रोर्देश स्रोर्द्य स्रोर्द्य स्रोत्य स्रोर</u> र्बेर्भायुष्याने। येदाणुःश्चिर्वेषाषायायम् यार्चेषाषायादा येदाधीयाः मुयर्षेर्यस्ति रयेरता विद्याया "र्वेर्यान्यस्त्रम्याण्यस्तियाम्बेरिक्स्रियण्य पकर क्षें "बेर पायवा "तुवाधुन मैन मुर्दे पर्येषे दे प्यार परेषे पें प्राणे देवा ग्रवसारे केंब भ्रुग्राय दर्गे वर्षे द्र्या मेंबर क्षेत्र स्थानु वर्ष स्थानु वर्ष स्थान के वर्षे वर्षे स्थान के ठक्'ग्रै'र्ह्वे'र्क्वेग्रार्थेग्'र्राष्ट्रयाकेक्'र्रा पुराधार्युयायार्दार्येर्'र्रेग्राथायर र्केनाबर्णेटबरणेर्धेनार्केटबरबेयायदे तुबरयदट दर्नेत्र बर्युय यस्य बन्। इतः <u>८म'र्८'अर्देत्र'यर्हेर्'में'र्गाय'य'र्रम'य'यठ८ब'क्बार्स्रस'र्स्रस्य'</u> र्नेर्'गु'र्रेग्'ग्वस्थ'रे'रूट'मी'र्नेर्'य्याके'य'याक'सर्वेद्यत्यम्बट'य'र्स्नेग्'गुरु'गु ५८ र्ने तृ या या मुत्रा या है या ची या विष्य सुन यी भी या विष्य है या विष्य है या विष्य है या विष्य है या विष्य गै'कै'रैग्राय'सेंक'कर'"अर्ठर'स्गार्वेर'सेंद'यनर'नवै"रैग्'ग्राम्बर्यार्थेर्'य' ५८। मुबरमार्ने५'य'५८'ईंअ'य'र्ये'र्बेम्बाबाबट'र्ये'विगान्नु८'र्खे५'र्बे५|कु'व्रमाया अर्केन्द्रा नग्रथःनर्गेन्कुन्दिन्द्रान्द्रा ख्रिटःङ्कुर्देदेःमाबुटःख्रम्रथःकुरासुन्नम् गैं रैग्याम्बर्यायस्य उर्भेरार्थेया युयाया दा मेंदाया सर्वेदादा दर्गेदार्थे दा

र्केश्युम्बर्णेशक्षेत्रः र्वेश्वर्यान्यः महित्रः महित्रः स्वर्यः स्वरं स्वरं

क्रैट'मॉर्नेट'र्डेअ'रेम्ब'ग्रै'क्ष'म्या

र्देन'गुप्प'गुथ'गुर्थ'र्पेद'र्दु'र्र्डेअ'र्रम्थ'गु'म्थर'पहे'ल्या'दर्गेश'य'द्दा र्हेन' मुः क्षुत्र प्रमासे प्रेप्ट सम्मार्से पुरुष्य सदिमालु प्रमास प्रमासे कासी क्षार्य प्रमास के स्व <u>५मा नेट ५ अ में ५ 'ग्री मार्लेक 'कु 'कु अश्राण्य अश्राप्य अश्राप्य</u> ग्रथायरुषा अर्टें व के खुयायर यम्दार्थेत्। देवे कुरारें व गूया कुया कुया के व ॻॖऀॱॾॢढ़ॱढ़ॺॱॺॏॱॺऻॡढ़ॱॸ॓ऀॱॸॺॱॾॱॺऻॸ॔ॕॸॱय़ॸढ़ॱढ़ॺॱक़ॗॱॺऻॸॱॻॖऀॱऄढ़ॱय़ढ़ऀॱ"य़॔॔ॸॱॸढ़ॱ मी क्रुत प्रमासे र्योप्य अंभित्र विषय विषय मास्य प्रमहित क्रिया मानुस्य प्रमृत प्रमृत के कै'र्देक'ग्रीबार्सेदे'रें मुद्रामी १०८० व्यापा निबानदे"म् मुद्रामी एक प्रमा केन में लुग्न पेंद्र पाद्रा विया कुर्मिय पेंद्र स्वा कुर्म कुर्म विग्रापादिन द्रा गिल्यार्डमाक्ष्यमुणुरार्थेत्।द्येराक्ष्रेत्यमुयाकुव्यानुव्यानुव्यानुव्यानुव्यानुव्यानुव्यानुव्यानुव्यानुव्यानु ॻॖऀॱळॅगॱक़ॖढ़ॱॸऀॻॱय़ढ़ऀॱक़ॗ॔ॱढ़य़ॖ॓ॸॱढ़ॳॗय़ॱॻॖऀॱॺॖ॓ॱऄॻॱॱॿ॓ॸॱय़ढ़ऀॱढ़ढ़ॱॸॖॱॸग़॔ॸॎॱय़ॱॷॸऻ "रूट रेदे आयश्या स्थाय क्षेत्र के लिया पेंद्र या दी। रेया या त्राया स्थाय क्षेत्र के लिया पेंद्र या दी। रेया या त्राया स्थाय कि स्थाय के स्था के स्थाय के स् ष्ट्रियमुग्नरप्रमानुन्न्यार्केषुयासेदायादे रेत्रकेषायम्दायायनेत्र वेदाणे ष्ट्रिप्त्यः मुग्नुरायाम् नृन्ययाया प्रदाङ्गित्र प्राप्ते विष्ट्रा स्वाप्ते विष्ट्र स्वाप्ते स्वापते स्वाप्ते स्वाप्ते स्वाप्ते स्वापते स्वाप ब्रॅम्'क्ट्'मे'एट्'परा मुम्मरभर'क्वेंदे'पर'में'पर्नेवाय'र्वेम्थ'र्वेद'र्दु'द्रमेंबा श्रेवृॱश्चेॱश्चठ्र करवादः चन्द्र र्थेद्र या अः बद्दाग्यश्चरः यहेदेः र्हेअः देग्यश्चेत्रा वर्षेत्र या अः वर्षेत्र

युन'य'दी "र्नेर'ग्रै'र्टे'र्ढ'लेग'रेर"ठेब'नम्र'र्थेरा सु'सयुर'रु''र्वेट' मैबा"पर्छेट्यापर्मेवापुयात्र्यात्र्यापेटिख्यासुयासुमापर्मेट्या पर्देरस्यामुःस्या र्केंदे'के'र्रम्ययप्देदे'र्दे क्ष्वाणुट रेद्र"ठेय र्थेग्य प्रमुद र्थेद या रेद्रादे प्रवितः ऄ॔**ऄॱॸॖ॓**ॸॸॖॸॺॏॺॱॻॖॸॱॱॸॸॱक़ॸॱॺॏॱख़क़ॱय़ॺऻॱॸक़ॗॸॱख़क़ॱॻॖऀॱक़॔॔॔ॺॱख़॔य़ॱय़ॱॸऀॱक़॔॔य़ॱ मुेर्'र्नोब'"लेब'र्सेब'न्र्'र्र'यर्रे'सूरा "स्ट्र'क्ट्रेंदे'मलुट'सुम्ब'रेर्केब' ॔ॶॖॖॖॴॺॱम<u>ॏॱॶॖ</u>ॖॖॖॖॱढ़ॖॱॸढ़ॖऀढ़ॱख़ॖॖॱढ़ॖ॔॔ॻॺॱॻॏॺॱऄॱॸॖॺॸॺॱय़ॱॸॖॸॱय़ॱॻॖ॓॓ॸॱॸॖॱॸड़ॗॻॱ र्वेमा र्डेअ'भैग'पद्मे'आयक'र्कट'अअ'भैग'श्नर'मुट'मुट'येर'र्धेर'येर'णैक'र्भेर' यरेता अर्रेरायसूबाबाभ्रवबारेवीत्वरामुराम्यायरेबात्रा रेवीयमार्रेग्वा इसराग्रे र्रेसपीमा ५८। र्सेन मार्सदे स्मनसंतर स्मनसंतर देत ५८ इस यामा हैसा माप्यत यमानमुन्'स्त्र'मुं र्रेबार्द्ध्यान्। युट्'य्द्वि'रेट'युग्बार्यान्ट्'रेन्"रेबान्यन् र्थेन्'य'निवेतापर्नेर'व'र्थेपै'र्ठे'तृर'न्र 'र्नेव'यानामुप्य'गिरुष्य'गिर्धेव'ग्रे'यायथ'न' दग'मैब'चैब'चदे'र्रेब'योर्टर्मेय'दा र्रेब'र्रेगब'मबर'गर्हेद'र्चेद'दर्गेब' बेराबायक्या कुषारेता

र्देन'मुय'मुय'मुथ'म्बर'यहे।

र्मामान्यम्मयरम्हे केन्यं निश्च श्रीम्म प्रदेश में प्र

र्बेग्यान्सुरानुपरास्त्रुवानुरायदेश्यर्गार्ख्याया भेरह्ययासुराद्वावरानुःसुरेरा यॱ**ऄॸऻ**॔॔ॾॕ॔ॺॱॾॕ॔॔ॺॱॾऀॱख़॔॔ॸॱय़ॖॺॱॸॱढ़ॺॺऻॎक़ॗढ़ॱऄॗ॔॔॔ॾॻॖॺॱय़ढ़ऀॱॺॸ॔ऀॱ नक्षमा द्येरकार्ये रनमानमुदादुवैदुमाममीर्जमाया आसमास्राही नगा अ'योक'यदे'र्स्ट्रेक'र्से'लेग'यार्सेट'य'र्द्रक'लेटा र्घेग'सर-र्येट्'सू'त्रुट्स'र्सेग'यदे' र्केमाभकत र्चेयायया शैम्बर्या सम्बन्धिय समित्र समित्य समित्र समि द्वमीवायद्गा देवान्नम्बर्णाः श्रीन्नम्पान्य अर्थेट्यम्बर्भाना यास्ययाणे र्धेृद्रप्तबद्रसम्बर्धप्रदेशम्बर्धप्रप्रथायाः भ्राप्तुः स्पर्धेद्रप्यप्तेद्रा दे भ्राप्तुम्बर्धाः नश्चरमाष्ट्रानुसावणुरार्षेत्। मेंदाक्षीयराणीयराणीयराणीर्थेवार्थेवार्शकेता रेन्। श्रेन् हुषामु । अपन्य निष्णि भेषा रेमा र्थेम् था अर्केन् भरी र्थेन् श्रेया इस्रम् कुर् र्श्वेट र्दर द्दर होता भ्रवसासु। देव मुवाकुता सेवास ग्रीस र्वेद ग्री हेट मिले पर्भे में प्राप्ता विस्ता नङ्गमा तुमःभ्रममायदेग्यःर्देनःसूमःसुयःर्दा मेंरःशुःरेदःरममःरेंग्यःरेग्यः वुटाय के देवे अन्य के कमा श्रीदादा। वे कुषाद्रा दे प्रविक मायर प्रदे पाद्रा मी'रोसस्यापस्य प्याप्तमा'यस'र्ये ५'स' ५८। यट ५ स'र्यस'मा ब्रम् विमासमी न इसमाया दे व्याप्त विषय में अर्दे दे विषय स्थाप स र्भेना भर्नेरामस्यानायनैयन्विषाध्येनायरायर्नेना नेवियर्र्भास्त्रुरार्स्भायम् ५८। ए५'यर'र्वे५'ग्रै'मा५५'रमब'ग्रै'र्स्य मार्थे'५८। मेब'र्रेग्य मेश्वर मश्चर मर्बे मुब्य या दे त्या देनाबाबा या दे दा विदार्के दे बेंब बार्मित्य की माबर यहे दे क्ष'य'रे'य'र्सेग्'त्रुग्'यह्रा'यहेत्व्याम्हेत्व्यास्त्रुट्'यंविग्'येत्यास्त्राच्या देट' **ॸॻॺॱय़॔॔ॸॱॹॖऀॱॾॖॕॺॱॸऀॻॺॱॿ॓ॸॱॻॱय़ॸऀॱय़॔ॸॱॹॖऀॱॿॗॕक़ॱॹॖॱॸॺॊॱॻय़ऀॱॻक़ॺॱॻऻऄॖक़ॱॸ॒ऻ** 

यित्र र्श्वेत्र च्चै क्ष्रिट ट्वार् र्स्वाव्य या स्थाय स्थाय स्थाय चित्र प्रचार के दे दे स्थाय प्रचार के प्रचार के

श्चैं र्क्षेन्य सेट ख्रुन्य द्वार स्वर्ध स्वर्य स्

यट केंदि समक्

ख़टब'णैब'र्र्डब'रे'र्नुटब'सु'यन'क्ब'ग्रेर'पर्रेक'नुब'य'र्र्टा यें'र्रवब'न्गुर' ५८'५गु'मदुदे'अर्गे'र्वे५'५'कु८'मञ्चगय'यय'ख८य'सु'वे८य'अ८'र्थे'कु८' नङ्मग्रथानुषाने। ययाकेराष्ठ्रयाङ्गरार्मेरानेषायाः विगाधिवावायां याकेरायाङ्गा मु'बिग'कग्रथं नश्रू रार्थेत्। दे'नबिम'यद'र्वेदे'म्नन'कुदे'देदे'हेश'सु'नदुन'ञ्ज मुयाचेषाञ्चराकात्रप्रवाचन्या "मेर्ग्यो अन्यानायायायायायाया रैअ'यर'वुद"। यद'र्के स्वाकु'त्रायत्'र्त्तेषानुषाने' "रद'र्सेषाञ्चत्रादाग"रेषा **बैट**'य5गुब्र'यदे'ङ्गुब्र'टग्'बट'र्ये'र्चेब्राहेब'खु'र्येद'धेग'द्र्ये'गूर्गुग्रंज'र्यंब' भैभेगपायभगउर्'भैगपर भेग क्षुत्र प्रमानेर पार्चे भवा स्रम्य रे १९०१ षट द्रा र्श्वेच मुदे द्राच द्रमा क खो अ द्रा मुं अ लेख स्नुद के क र्ये र से मा प्रतिक र्धेर्या स्रु॰००३वेदिर्युर्गारत्यप्तुरक्षेर्यम्भाक्षेत्रम् विक्रेत्र भ्रमशर्श्यर्थेशर्सेटा धुरम्प्रहराये केंश्यर एमीशर्मेर ग्री क्षुत्र एमा देखामी कुरि यद्भारत्नुमानेराविद्या सदार्थेषाश्चरातमानेरावाम्बदाम्भार्थान्या १९४८ त्यायः प्रशासम्बद्धाः स्टब्स्या स्टब्स्या स्टब्स्या स्टब्स्या स्टब्स्य स्टब्स्य स्टब्स्य स्टब्स्य स्टब्स्य इत्यापन देवार्सेग्राणु स्रेटाययटा स्टार्सेश स्रुताटगा बेसायासटार्से स्रियात्रशा चु दग्वाया र्शेन्ययपर र्धेन्यविक पत्नायर र्के स्याकु पत्रे मेंन्यमा उठा की करा हिया सु'न्दीन'है'न्दा मु'भैग'न्दा स'र्न्न'सैपै'स्नन'नुपद'म्सुर'ने। र्नेग्राग्नि' য়৾ঀয়ৼৢঢ়ৼয়য়ড়ঢ়য়৾ঀৼয়য়ৼ৾ঀঢ়ৼয়য়ৼ৾ঀৼৠৢৼৢয়ৼঢ়ঢ়৾ঀয়ৼঢ়ঀৼ৾য়৾ঀঢ়ঢ় भ्रेर'म**िक'**पर्नुगाभै'सद'र्नेस'"यद'र्केपे'सम'कु'"'रेद'रमस'ग्रै'स्नुद'दग' माश्यरमालिमामी अर्मे र्रेशयरम्पन्यम् र्सिन् र्रेन् मुल्दि के र्येन् गुल्दे र्येन् गुल्दे राम्या गुल्सेन् । ङ्गत्र प्राप्तायाय क्षेत्र क्षेत् <u> चयः कु 'के 'ख्य 'दु 'द्यमाष 'यदे 'ङ्गक 'दमा मी 'इसष सर्वे कु चे दे 'विम 'दु 'खू रार्थे दा</u> <u>५२२२, व.मे. व्या.मी. वट. मेथा. २५४१ मी. क्रि. ने प्रांच में प्रांच में या क्रिया में या मी. व्या.मी. व्या.मी.</u>

अधुट'त्रश'क्षुत्र'टग'पञ्चे'नपट'र्षि'यायम'नर्देय'नुश'य'रेट्'नेरोर्शेग्श'र्टा म्बरम्बहे पर्रेदि रे पुरर्शेम्बरण्चैयण्य स्वयं कुर्ये सुप्त विमान्य कुर्या मानी र्डेअअट र्ये नेशर्सेट र्थेट र्येट पाटिए। येन निर्देश में अवस्यान निर्माणीय स्वा कुदै नेर परेदे अहें अहें अह्मा प्राप्तिमाय मायवा के प्यार परेश से प्राप्त कु सर्वर कै'र्रमा'माक्षा'भै'यर्'न पं भू'र्केमाबाया अहेबा सुमा'र्टा १४ अवाभै पर्'न प्रमुं र्केमाबा यर्ने दुर्वा व्यापे द्वार के कि स्वापे देने स्वापे देने स्वापे देने स्वापे देने स्वापे देने स्वापे स्वापे स्वाप ८८। व्यवस्थिमोधिमेषायदेखायाम्बर्धारमायदम् रेमियमेग्राप्तेरायविवः रु'यहैर'यदे'भ्रु'द्रा कु'र्ये'म् नियंत्रित्र'रु'द्रमा रेट'म् अया र्थेम् अ नेर'रुषा मि कै'र्ले' र्हेट 'स्रमा'मारुमा'र्स्सप्याञ्चर 'स्त्रे'रेमा'मात्रस्य दा लें मुखा सेसस'ग्री'प्रिर सूट्यार्थेन्यायायहेवाव्यायहेवायदेयायदेश्ययादेखेटामीवार्थेदायारेदा थेवा क्षरः र्देव ग्रुच कुषा ग्रुः र्हेव रु क्ष्या कुषा भिष्ठ र र्ह्सेच ग्रु र्वेद प्य र्दा कुष्णेग भेषा *न*देॱर्नेर्'भे'दगद'याभागर्नेग्रायांशेसयां शुं र्केर'न्य रे'या दे या सेर शुं ना से पर्वा यथा यट कें स्याकु के रेगा ग्वया यर्द्व प्रग्नेयय रेट खुग्या शु १३४४ मिट्र र्द्धप्रालेगारेना ने प्रलेकार्र्रेकार्द्धप्राची घराक्ष्याप्राध्याप्रध्यान प्रदार्वेदे स्पात्रः बेर'नदे' श्रुद'र्रेब'दर्देदे'ाय'र्रेग्'गैब'र्र्रा अंब'य्वय'र्र्र्र्र् र्शेग्रायाचेराकेता । याकेगायाया र्रेग्रास्थाय देश के से दान स्वाप्त । याकेगाया । याकेश स्वाप्त विवाद । ॺॎॱऄऀॻॱॻॏॺॱॸ॔॔ढ़ॱॻॣॖॖॖॖॖॖय़ॱॻॖॗऀॺॱॻॺॸॱॸॖॱॻॶॺॺॱय़ॱॸ॓॔ॸॱऄॺॱॺढ़ॱय़॔ॱॻ॔ऀॸॗॸ न रुषश्यायार्थेम्थारीष्यायाय्येवायम्। कु'व्यामी'म्टार्थेश श्रुवादमा'यथा श्रदा गाराययायर्देयायुषायावेगाद्या एदायरामुण्येगात्रवार्येदाण्येगापुरवङ्कुरायदे मात्रमायने 'क्षें में के 'घट' केत 'ग्री 'क्षुत 'टमा' बेर' या ग्रु'तमा मी सामसाय सार्म लिमामीश्रामुतुःखोरायोद्देशःश्रं माश्राध्यायाः स्वाधः स्वध

बद'णुब'नर्डब'नदे'बे'र्नेगा

पर्ने के र्रेक मूर्या मुया मुया मुद्रा र्रेका मानाबा उक लिना प्रकेर पर्मा प्रकेर र्धेन मुः दुयादेन सुदाकर यया मुः दगदाखदा द्वार पि स्वरास्त सुदा र्से अलिगा से दा श्रे'अ८'र्येश'णु८'श्रुट'र्र्डेअ'यदे'द्रीर्वेद'णुै'देट'रूचश'णुै'खुद'रु'यसग्रथ'यदे'श्रुट' र्डेअप्पेन नेशर्के में मेर प्राप्त मेर प्राप्त के प्राप पर्ने प्यट रुषा श्रम्यवार ने या वाष्य्य पर्ने र रुर ष्विय पर्गे प्रविव रुपे वाष्ट्र र यह पे र्डेअः श्रुटः लेगा धेरुः याया र्वेर्णो र्डेअंगा नेयः दटा गयर या गरेर्पा रेपदा बेद'यँर'यबबा यहेंद'नु'गर्डें'र्वे'बैबिय'नुब'द्रद'देद'र्यब' र्दिब'ग्रै'हैं' ॔ळॅनशॱॸऀ८ॱख़ॖॖॖनॺॊऴ॔ढ़ॱॸऀॸऻॱ॔॔ढ़॔ड़ॹॖऀॺॱक़ॗऀ८ॱॸऻॖऀॸ॔ॸॱॹॖऀॱख़ॖॱॸऻ*ॊ*ड़ढ़ॱक़॔ॺॱख़ॖॸऻॺॱ नर मुग्रात्माया तुर्भेग्राये वा प्रमाया मुग्राया मुग्राय मुग्राय म नविर्मोससमानिसास्री तुर्सेर्पायार्थेमान्दार्धेरासमिनानार्स्युनासास्राधितासा यसप्दर्सिम हे चुट नदे र्र्त्तिम न्य रेना ने नु नवा मी खुनाम र्स्तिम हे नु दु से द इस्रमण्डिम र्चिमास्य प्रतिमास्य प्रतिमास्य प्रतिमास सिन्द्र मिन्द्र सिन्द्र सि **इस्रमण्णै'रूट'ग्निम्राम्बस्यारुट्'म्य्याग्निर्हेट्'यद्ये**र्ह्केट्'यवट'र्टा अ'रूपस्य र्शेम्बरण्चैश्रासर्केन प्रतिन पेर्पर्य पेर्पा पेन निष्ठ स्वर्य पेर्प्य प्रति स्वर्थ स्वर्थ प्रति स्वर्थ प्रति स्वर्थ प्रति स्वर्थ स्वर्थ स्वर्थ स्वर्य स्वर्थ स्वर्य स्वर्थ स्वर्य स्वर्य स्वर्य स्वर्थ स्वर्य भै'दर्गायाभावत्। र्वेर्'णुंर्केश्'र्दा दैनाम्नवश्णुं भ्रेट्'व्वश्रं र्थे भ्रुं र्वेर् नग्मी' विषायार्धेन सूर्याणे स्निर्वयान्यान्य न्या र्धेन व्ययस्था केर सेन अवि मुदेख्याबार्श्वयाष्ट्रम्थे में मायेवायादी यह मायाकेवार्या विवास हैवा पित्रस्थित ने प्रमार्थे ने मुप्त मुप्त मुप्त मुप्त मुप्त मुप्त मुप्त मिप्त मि

मटायमास्य में बेरायदे सूटा र्डमायदे नि देन मुन्य रेमा मानस्य भर्मे पर्देगाया रैटागुग्राबादि। रदाअर्घेटाओरायदार्डे अलिगारेता श्रुटार्डे अपरिदेशयर्दे राष्ट्र यभ्यस्वित्। णुःर्णेम्भराया वर्गेभ्ययदेः यार्थेम्थरण्यस्य हरिकेश्यत्य स्वत्त हेः *ॸॱॸे*ऀय़ऀॱॺऀॱढ़ॺॺॱॸॱॸॗढ़ॱॠढ़ॱख़ॵड़ॱय़ऀॱड़ॗढ़ॱॿ॓ढ़ॱॸढ़ॱॗ <u> नृगतः भ्रूटः र्धेनः सः नृटः नृहः नुश्रुग्रयः प्रसः नृहः विटः ।</u> नहैं ५ कम्बायायार्थे पें ५ वत्रा क्षेत्रे के इस्या ५ ५ ५ ५ महात्रयायां वि निवर्णित्र रेशनित्र निर्देत् मुर्गिर्सित्र निर्मान निर्मान मुल्य मुल्य है श য়ुॱॿॖॖॖॖॴॺॱय़ॱॸॖॴॱमीॺॱय़य़ॸॖॱय़ॱऄॗॸॱॴ ॿॣढ़ॱर्डेअॱय़ॾॕॸॱॻॖॱॴऄ॔ॱय़॔ॸ॔ॻऀऄॺॱ रैग'र्ट'रेट'र्यब'रुक्'गृष्ठेब'ग्रै'एग्याय'य्वेय'र्टा मृट'यब'सु'र्बे'र्चेर्'ग्रै' रैगामाबुट द्रा में अश्रिं या प्रेने स्पर्म माबुट या अश्रिं माया के देर राज्य उत् धेव बेरा दे द्वरावा ब्रुट र्डे अपदि वे से मामवया अर्मी पर्दे माया से दारा माया है। ब्रुट र्डे अ लेग रेता हुर पहट पेंट के मेर रेग प्रस्य र मार प्रस्य के लेग व्याञ्चरपत्री रूप्यार्थिए सेर्पान्य र्मेष्यान्तर हैनारेन कुष्यक्तर हैरेन बेराक्। र्देक्यायामुव्यामुक्यामेकार्येद्रामुक्षार्यमाव्यासुद्वरायायसुरापुर्वेकायालेगाकाः नुषा र्षेत्र 'हत्र 'दट' देवे 'एद' र्केश अ 'र्हेग्या वे 'रन्य 'यमुद' रु' यवे 'दुश भ्रव्य ' য়ৢॱय़॔॔॔॔॔ॸॱॻॖऀॱय़॓ॺॱॸऀॺॱढ़य़ॱॺॱऒ॔॔॔ढ़ॱय़य़ऀॱॸय़॓ॱॸ॓य़ॱढ़॓ॺॱॶॖॖॖॖॣॸॱय़ॺॱढ़ऀॺॱॺॱॺऻॸ॔॔ॺॺॱ बेर्रेर् रेप्रेन्यायाञ्चरवायायायुवायम्। यर्षे भूर मेर्ग्येन् ग्रीमेवार्रमा वर्षे म्पायस्य सं लिया मु ख्रु राय है। या सुरा सुरा या राय स्वायस्य स्वायस्य राय स्वायस्य स्वयस्य स्वायस्य स्वायस्य स्वायस्य स्वयस्य स

श्रुप'ङ्गा

र्देन गुना कुं या श्रीका महर्का का या ते ह्यू प्रस्ति हैं अप्यत्ते वा स्वाप्त क्ष्म का स्वाप्त क्ष्म का स्वाप्त का स्वाप्त क्ष्म का स्वाप्त का

*ऄॱ*॔॔॔ॱॿ॓ढ़ॱड़ॺॱॺ॔॔ॻऻॺॱय़ॱॻॾऀॱॻग़ॖॸॱॸ॔ॸॱक़ॣ॔ॱय़ॸॖऀॱॻॖ॓ऀॸॱॺय़ऀॱॺॺ॔ॱॻॾॺॺऻ ग्रायार्ने अप्यान हे का क्या के विश्वेद । यह प्रमुद्दे प्रमुद्दे प्रमुद्दे प्रमुद्दे । यह प्रमुद र्युम्यागुरुपुःचग्रम्यादमुःर्देटः सुरुर्मियः यम्याग्रैयः "सुयः सुर्यस्य सर्वेटः चरिः र्देन मुच मुव मुव में कर सेस्र र मिय हैन "वस पर्में द स सुर का देन मुच मुव । ॻॖऀॺॱॿॣॖॖॖॖॖॖॖॖॖॖॺॱक़ॣॱॿ॓ॸॱॸॱॺ॒ॱॺॖऀॱॺ॓ढ़ॺॱॺॸॱॸऄ॔ॱॺॗॕढ़ॱक़ॣॗऀ॔ॸॱ मर्बे "धे नुषाने मार्चेमा मुस्यान्दाने वे से दायां निष्ठे । १८५१ वेवि "सुदा कर"श्चेत्राचेत्राम्बुसायदे र्चेमायर्गे दायरायम् । साम्बाद्यादे के निवास इ८ रैक र्ये के र्शेषाय ग्रीय प्रस्त पायट दर मुखर्मे र पर्ये प्रस्त पायि सहत प्राप्त मित्र मुख्य <u>ॳॱ</u>ॖॖॖॖॖॱज़ड़ज़ऀॱड़ॖॺॱॠॸॺॱॺॖऻॗॸ॔क़ॱॻॗज़ॱॻॖऀॺॱॶज़ॱक़॓क़ॱय़॔ॱॸॸॖ॔क़ॱक़ॺऻज़ॸऀॱख़ॱ नुःक्क्षूदःर्र्हेभःविगःक्षेयःदर्गेशःचदेःक्कुःभळ्वःगाःरेःधेवःवभा नुशःभ्रवशःरेःयः **नर्टेशमानशर्नेनमुगम्मव्यामुग्रम्मुरमानग्रम्भरम्यत्रस्ववासुर्यः** म्हेट'यगाट'क्षा र्वेद'श्चे'यदे'गाक्द'र्देक'लेगा'रु'कग्रथ'यम्द्र'र्पेद'द्रथ'बेर'का मिडेमा र्नेन्यम्थर्षित्रस्यसुर्ध्यस्मुह्त्यस्यन्। यटक्रियम्यम्यस्य भुवायम्ययम्भे माल्रायासर्गे भ्रीतायास्य निष्ठात्रायास्य । ॻॖऀॺॱॺॺढ़ॱॻ॔ड़ऀॻॱड़ॖॱॸ॒॔ॸऻड़ऻॕॻॱय़ॱॻऻड़ऀॻॱढ़ऻॱड़ॺॱॠॸॺॱॸ॓ॸॱॺॗॣख़ॱक़ॗॱॾॖढ़ॱॺॱ यर र्हेगा ध्रुयः भ्रुप्टेंबाबा इसबा ग्रैबा ग्राटा राटा है दा ख्रुया भ्रुप्ये दा परि । यहा ये वा व्यामुंबाबेदारेदा दर्गेदायाबदार्यभिगादादुदायश्चराम्बेरमुबाबेदायाबदा श्चेरमाबुदमीशणुद्धुयाभ्भुः बेरायाबिमार्थिरायायशयोजायबिनाभेरायाद्या देः वार्केमासकत्यादार्श्वेदामीत्रसेदा महिसादेष्यादुस्स्मित्रस्ते वार्षाद्वायाः ॻॖऀॺॱऀऀऀॸॖॱॸॖऄॻॺॱॻॺय़ॱढ़ऀॻॱक़॓ढ़ॱ२॔ॱढ़ऀॻॱय़ॱॻॾऀॺॱॸ॓ॱॿॗॣय़ॱॶॗॱॻॾॺॺॱय़ॱढ़ऻ विदेश्येययाची केट मार्ने राची क्षाया निया प्राया केता केता का मानिक के षट'स'रेरा

## 

र्देन'गुन'गुय'गु'गाशुद'पनुस'नद'रु'क्वेद'पर्देर'गु'क्ष'न'सर्वेद'यपे'क्ष'न' <u>५८। मुश्यरायहेत्रे स्रुकाटमा ५८ त्यर्वे र क्वेमा माटा स्राटार्थे र त्या सामित क्वेर</u> मुबायावियान्युन्युन्यदेश्रिंबादगदाने राम्याव्याने स्वाद्धमायम् स्वाद्धमायम्यमायम्यस्यमायम् स्वाद्यमायस्यमायस्यमायस्यमायस्यमायस्यमायस्यमायस्यम् नर्हेर र्श्रेम्बर अर्केन यदे कु म्य र शै म्वर पेदि केर पु नेबर पदि र्से अपाय मुबर शुर ॲन्।नेॱभैक्ॱमिंटॱमीशल्टॱलुटॱकेंश'न्नट'मामश'यदे'सहन्'यदे'तु'स्'हदे' `र्हेग्यायार्हेर्'र्यो'ष्टिर'त्रुयायपे'श्च'यग'णुट'र्धेर्वायर्ठेग्'ग्याय'पेर'रेर्देर'प्याय' मुवाके के दिया मिन्न में निवास निवास के यदै'"र्श्वेत्र'क्कुरुद्देम्'म्बरुष्'"८८। वेद्'णुै'र्वे कुष्प्य'द्मव्'षावर्ष्यव्यायर्षेन्य'र्थेन्य वैयादु रमुद्रादुषा देषा दुषा स्रम्ययादेषा ये केटादु यादा के दिरा नामी र्षिदा 5'5र'यदै'मेब'रैग'रेग'रेर'5'5रर'य'थेब'य'यब'र्येर'ग्रैभेब'रैग'य'रगद' वयः श्वेयाया विगाया प्रेवायमायवया क्रुप्या व्याप्त विगाया प्रेवा स्वाप्त प्रेया स्वाप्त स्वापत स्वाप्त स्वापत मुक्षानु। तुस्राहदैर्देग्रायहेर्द्राद्रा नुक्रनुद्रामी मानेराधिमार्श्रेग्राया विदा <u>५र्धे५ ५८। र्ने भ्रूट मुर्थ यदे ५ अभ्रम्भ नश्मी मार्मेना मुन्तमामी सामसामा केता ये ।</u> र्डेबाम्दायोन (季羡林) बेरायदी आवबायादिबारी गाम्बान्याया विदेश नश्चरा युष्यसुर्भमागान्यमाग्यरानहेत्रस्रम्यससुर्भरदास्यान्याण्यान्यस्यसा र्देन मुयम्बयाये उदार्थम्या सुर्श्वेयम् हेर पुरुष्मयस्सु मुदेखायस्य केन ये भूर माग्य केत र्ये प्येत लिटा अगायर मुत्त अपत्ये में गया पहें र ग्री भूर पा ग्रम्बरङ्गत्रकेतर्येर्धेर्यय्या कुरत्मरमेरकेरस्र स्ट्रिंट्स्टरकेतर्येरपुर्यायहितर थेंत्। ते'नशर्नेत'गून'मुक्ष'णुट'रे'र्वेट'ठक्ष'ग्रैश'हेश'सु'वव्यटश'हे।तु'स'हवे' र्हेग्रथम् वर्हेन् र्सेग्रथम् अस्तिमा हेर्रिन् वित्रमाहेर्यस्य सेन् स्रुसाहित्। र्नेत्

र्बेग्बर् स्त्रानु पर्नेत्र पत्रा मुखायबाय देवे मुख्याया तुरामुत्र भुत्र प्राप्य विदा यायया र्वेरास्टामी सेमामान्यातुटान्या सुर्याहती हेमाया यहेरा सेमाया विदाया अरेर्प्यश्वअप्वृदा रेप्यलेक्अगुरम्भूप्दा एर्परपुक्रपुट्योगम्भेरप्येगप्य *নুষ'ম'অ⊏'दे'বৃষ'মे'উ⊏'বৃ'*অঁব'মন্'কু'ইনাষ'ট্ট'র্মব্'ট্র'মানষ'ন'বন্'নী'র্দ্রব' 5 वियायह्मा मु मु ते केश नगय यदे यहें न मुरा शुरा खें न यर यहे ना ने न गुरा मुवा मुका दे 'द्रमा मी हे बाबु 'व्याद्रबाद बादे वा वहमा युवाय धिकाय वा वा व्यास्त्र स्वास्त्र वा व्यास्त्र स्व ष्रुयः यदैः ८८: र्वेदः ग्रैः मेशः देगायः दुरः यद्दा दगदः यद्याः वुषः वशः ग्रुदः यद्वेगः भैव यर पर्रेता राभ क्ये में गुरायहें राधेव वयर पर्वा रे यहेव मुनु में रा गिनेर धिग धिनपर प्रा परे प्रसम्बर्ध उर र्देन मुस्य सेर सेंपै रेग गानस्य विर्केश आम्बानानेति के बाह्म निर्मेन निर्मान मुवायोर्छेट दुर्थे द दुर्या मुजनानी वें मुरुष्ट्रा यायट थें दट वर्षे वाय के कर्ये र्थेन्'यर'यम्नून्'रुट्।भ्रम्थ'रे'र्विदे'त्र्द'र्नुं र्थेट'त्र्य'मञ्चन्'र्थेन्'य'अ'वन्। धट' **र्भे 'भैश' है 'म्शुट 'यय' केर 'तु 'अदै 'म्शुट 'यलेत 'य है 'यलेत 'र्भेर 'यर 'यम्रा धट र्थे के कु कु हा मी मा के र र्थमा र्श्वमा श्रमा श्रम स्विच प्रह्मा मुख्य स्विम र्थे में र्वे के र्थ** बिटा र्देन मूच मुया मुया मुया में बारे दे पुरु पुरु दे मी माने राष्ट्रिमा र्श्वमा से माना या प्रेमा स्वाप प्र <u>५८। वेंद्रणुर्केशववुदर्भे कुशर्शेग्यर्देश्वदर्देशसुश्रकेद्रयर्देवदा सदर्भे</u> र्शेग्रायायम्बर्धित्रम्याचीत्रम्याम्बर्धाः स्त्री विद्याप्रस्याम्बर्धाः स्त्राम्बर्धाः स्त्रामः स्त नर्रे नगुर भेर पर्दा मुदे साम्यान र गाया तु साम्रामुदे पर्दे मेया दिन सूट्य'र्थेर'य'रेय'रियंदे'युद्य'गर्थेग'सु'युदे'येधया'मुगय'र्टा रूट'सूर्'ग्वद नर्भेर्णुं सेस्रयणुं पष्टिर सूर्यारे सर्वेद पर्वायास्य बर्वा श्रुरान हर्रेद यूना **क़ॗ**॔॔॓॓॔॓॔॔॓ॷॺॱॺऻऄ॔ॱ॔ॻॗॺॱॸऻढ़ॆॱॻऀॱॺॺॸॱॸऻॾॆॱॸॱॸॺॱॺॏॱॸॖक़ॱॹ॒ॸॱॺऻॸॆॸॱऄॺऻॱॸ॒ॸऻ

मुति र्यो मुक्ष यस मुद्दा नित र्यो र्यो मुक्ष र्से मुक्ष या निक्ष या निक्ष

"नेटर्यसर्चेन् कुर्स्सरमा श्रम्य हेम्बर्धन्या

र्देन् गुप्त मुल्य श्री श्राप्त स्वाय स्वर्ध प्राप्त स्वर्ध स्वर्य स्वर

वियायह्रमायास्यार संविगायक्केन्यस्य प्रमान्येन्यस्य मान्यः वियायह्रमायाः स्विगायह्रमायाः स्विगायद्रमायाः स्विगायद्रमायाः स्वागायद्रमायाः स्वागायद्रमायाः स्वागायद्रमायाः स्वागायस्य स्वायाः स्वागायस्य स्वायाः स्वागायस्य स्वायाः स्वागायस्य स्वयः स्वय

रवशरुक्। द्यद्यम् र्री रूट्रवट्। भैदेर्चेव घट बेर वर्षेग्य क्षेय्य भैटर रैय'रु'यहद्याद्या र्रेक्'यूय'सुय'सुय'सु'र्रेअ'द्या देद'र्यय र्रेअ'रेग्य'नेर'य' र्थेग्याके देट रचया उत्राची यर्के मुग्याक्षातु प्राप्ता वरामुयाची द्रयायाक्षातु मर्रेमिवन पर्नारिया रेगामान्यमायर महेपेमायर सप्देपयार्श्वीय अपे ११० षट द्राक्र विदान कर क्रिया में का मुना है। द्राक्ष में द्राक्ष कर ग्राक्र द्राक्ष प्राप्त कर क्रिया विदान ग्वस्थर्भेर्यस्था बर्ग सुरस्युर्युर्यं ग्वस्था कुर्धित्र स्वर्यं कुर्यं कुर्यं पर्देर मुः भ्रापायाय प्राप्त देश प्राप्त के विषय विषय के प्राप्त क र्शेग्राया अर्कें क्रायपे प्रयोग्नेय प्राप्त हैं अर्थेग्रय में क्रायं क्राया में क्राया के क्रिया क्रिया के क्रिया क अदि'क्ट'रु'रूट'र्ग्नेय'लेच'यहुग'रेख'यदि'रेच'सेट'र्ट्ट'र्ये'र्चेक'य'र्ट्टा रे'यलेक' ५ॱर्लेॱऋॱऄॢ॔ॱचे॔५ॱॸैगबॱॸ८ॱऄॗ॔८ॱख़ॖय़ॱॻॖऀॱॸॖऀय़ॱॻॾॗॻॿॱय़ॺॱख़ॖ८बॱॻॖऀॺऻॎऄॱ **५**अ८शः शुंशाख्या ५६वा मर्गिया हे। ४८ खें या लेश मदी ५ शा हे मा पर्दे साय करा ग्रैबाबार्सुनाबागुक्, दुःद्रीयायञ्चनाबारीद्राप्तिक, यदुनाया बाजा विर्ते बार्सीयानुः द्रा मुग्रायय ग्रेमुट यञ्चयाय द्रा क्याय यस द्रमु र्येग्य सेर धुर द्रथ मु केनर्याश्रेयायन्नियप्र्गा

यासर्वर पार्श्वनाया नरः स्निन्या ग्रें स्वानितः श्रें स्वानितः श्रें स्वानितः श्रें स्वानितः स्वानितः

यायक"'रेट्'रेय'ट्टा"र्चेट्'रेग्यायाविक्यु स्थयाची प्रथयात्तीते श्रेट स्ट्रेंप्यः <u>५८ व बुग्भर्के व र्षे ५ " रेबायु ५ र्ब्व्या मुबा५८ मुन्य ५८ मुन्य ५ ५ स</u> कुट्रमिर्देरमुः भ्राप्ति क्षेत्रायायम् मर्दे र्यो देटात्याखारीया प्राप्ति प् पत्रुमधीन याद्रा विषार्देन याद्राचा कुषा की क्षेत्र पार्टे साद्रगदान्य क्षेत्र पार्ट् ॉर्वट'के'से'सुय'रु'र्नेक'सूय'सुय'रुप'रेट'रेट'र्र्यथ'ग्रै'र्सेअ'रेग्थ'ग्रै'श्र'र्य पर्चेन्य"क्ष्युं धेव लेश किंश केंग किंश केंग विवास विव <u>5</u>ॱम्रासुट प्राप्तिक सेंदि से 'मृद्यमी मासुट सेंस म्राप्त साम्राप्त स्थापेत प्राप्ति मासी साम्राप्ति साम्राप्ति स क्रैट मार्ने र प्रदा माया रे अप्यय र रें प्रश्नेमाया मिये मे या र्श्वेट प्रदे स्वर से प्रश्नेय युरार्थेता युर्भेर १००१ र्देन युर्म सुवा गुर्भेर र्वेग्या पतु नध्या पादा *৽৽৽*৵৾য়য়ড়য়য়ড়য়ৼৢয়ড়য়ৼ৾৾য়য়ৢয়ড়য়৽ঀৢ৽ৄয়য়ৼ৾য়৾৾য়৾৾য়য়য় भ्रुव पुरुष पार्टा देवे देवे र्थे का पार्टि पार्टि पार्टि स्वाप्त का प्राप्त का का प्राप्त का प्राप्त का प्राप शैं के वित्राचालियात्रम् वसूकानुषायात्ता देवे हेषात्रेश्वामी पेत्रामुका वेता न'यरियर'सुये'सुय'षन'षग्'रु'रेअ'निब्र'ष्ठन'यर'सुर'रेटा रगे'र्केश'ग्रै' **इअ**ॱघर रेग मुेर ग्राप्त असुर रुप वर्षे अय्व अय्यय अपने स्थित प्रवास अ ขึ้งเพลาร์ ทำสังเข้าทุวงาฐราวดิสา พลาร์สาขุวาสูญาขึ้า"ณ์ สูงเวล์ अर्मे प्रमुख्य भा क्षेत्र यह एवंदे द्वा के खे कुयाय के स्थाप के स्थाप के स्थाप के स्थाप के स्थाप के स्थाप के स र्हेग्'यहग्रयाणे'र्ये कुर्यमेग्'ययार्येद्'याप्येयायारी यद्येयायारी नर्जेष'नदे'गठ्याकुर'र्दा रे'र्ग'गै'बेसब'यदे'स्छेर'इद्य' र्भेग्य(Orientalism) विच मु पद्मि हैय पेंद्र प्यया दे मु ग्वी ग्वय प्रम अळ्यायन्'अ'त्त्रुअ'र्सेग्य'यम्हेत्'त्यार्येन्'त्'त्'ग्वुट'मे'र्स्सेन'ग्रूर'त्र्यें'र्सेट' *ব*दैॱचेंद्र'णै'र्थेक्'ॸॖक़्'य'द्रम्'मैश'क्रेद्र'गिर्देर'ग्रै'स्था'यर्दे'ग्रु'केक्'र्ये'श्चेत्र'अर्गे'

**┸**घष'चम्दा∫त्दैतेॱर्भेर'ष्ठे'क्वय'दु'चबुगष'यदे'र्चेद'ण्चे'यावय'द्घट'बेग' मैबामैबाबैनायह्मानुेरायरानु।बेबारोपायदाबुःमुोयराबायनुबानुःईबा र्वेग्यययम्बर्भयाष्ट्रम्। ग्रायार्रेभावत्रयार्सेनात्रा रीक्षास्त्रम्थायमार्खेवासुनात्राः देटार्ययम् क्रिटायाद्दाम्बराया केंग्रायुग्नमाद्दाक्तारीमा केंग्रायाद्दासुर्यो क्षें या या प्राप्त प्राप्त विषय के विषय के प्राप्त प्र प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्र प्राप्त प् क्वुक् प्येक् क र्देग्याया निष्ठ र्देश या द्रा देट यय स्थाय व्यवस्था स्थाप स्थाप स्थाप स्थाप स्थाप स्थाप स्थाप वेव दर्गे बाया केटाय के माबर यादर्गे गायदे कु दर के वा के बा ॔ॶॖॖॖॻॺॱऄढ़ॱढ़ॱढ़॔ढ़ॱॸऀॻॱॺॱऄढ़ॱय़ॱॸ<u>ॣ</u>ॸऻॱऴॕढ़ॱॸऀॻॱऄढ़ॱढ़ॱ॔ढ़॔ॺॱॶॻॺॱॺॱऄढ़ॱय़ऻ <u>देप्तितुसुर्भिः वोभेशयाद्यायार्थित्र</u> प्रत्याद्या स्वर्थेत्र स्वर्थेत्र स्वर्थेत्र स्वर्थेत्र स्वर्थेत्र स्वर्थे वर्चेन्'हेटा भेटाञ्चन'र्ये'ने'वर्नेगमा ने'न्याने'भवव्यान्हेगानु'वर्गव्याप्यवे'न्य मिल्र प्रमा मिल्र र्श्वेत्रालिमाञ्चत्र क्षेत्रासु पत्नमा दे प्रायाण्य प्रदेशमा सु सु स्वाया सु सु स्वया से प्राया से प्राय से प्राया आयश्यश्यश्यक्षश्यदि'द्ये'क'द्या'द्ये'त्र्यें वा उत्ताप्त वा क्षायश्य व्यवस्था विष्ट्रा विष्ट्रा विष्ट्रा विष्ट ेर्य पुरुषायायो से वियायो हेर्न पुरुष क्षयायायीत क्षेत्रा पेर प्राप्त के केटा या प्राप्त प्राप्त का कार्य के कि <u>र्</u>,ब्रासु'नर्गेब'न्यंबेन्'र्ने'लेबाङ्गेट'पर्नेन्यंबेसबाग्चै'पष्टिन्यंसूटबालेगानेट'न्न्यबा **चेंद्र**ॱॻॖऀॱय़ेबॱख़॔ढ़ॱड़क़ॗ॔॔ॶॱय़ॱड़ॺॱॺॏॱॿ॓ॺॺॱटे॔ॺऻॺॱढ़ॱॸढ़ॱॸढ़ॱढ़ड़ॺऻ

विम्बर्द्यस्मबर्ग्यः केट्रियम्बर्म्य

र्ये प्रमायन्त्राप्तस्य स्वाप्ति स्वाप्ति स्वाप्ति स्वाप्ति स्वाप्ति स्वाप्ति स्वाप्ति स्वाप्ति स्वाप्ति स्वापति स्वाप्ति स्वापति स्व

इसराज्ञैरान्स्रीम्राम्ययाज्ञीतुरानाष्ठ्रप्रमारुक्येवा मुन्नानेप्रमार्केराञ्चेया यर्द्याची भेर्चर यम् द्ययादर्चेन दर्शतर्गेन द्रा र्श्वेयायाद विषया प्रदर्श धुमामदा अनामदाद्वा अन् भ्रेन भ्रेन भ्रेम्य ग्रेम प्राचित्र प्राचित ५८ॱॺॶॺॱ५ॱ५॔॔गॅ॔ॸॱॻॖऀॱढ़ॺॱॾॣॗॆढ़ॱॺॖॱॻॖढ़ॱॻॗॱॸॱढ़ॻढ़ॱय़ॺॱॻॖऀॺॱक़॔ॺॱय़ॱऄऀॸॱ यनम्बायपि:र्केबःर्केटःसुमायपे:अर्मायस्थया तुर्वायमित्रःर्वेगवामित्रःयः न्ना ने प्रविकाम केमा मीश केंश न्नाय हिमा हेक माटा प्रवाद प्रमाय प्रविभावन् र्देन'सद्भे चुदा श्वेर'यहदसी श्वेरमद्भे मदमी नद्भे दिन्द सुद श्वेर सदी मन्दर देन <u> न्याधेत्रयान्दान्धेययान्ययानार्द्वेष्यदास्त्रयेन्। यदानुसास्ननसानेप्या</u> **५भेगश'मश्राष्ट्र'यर'रुक्'लेग**'चुट'म'की गु'म'५ग'गेश'५भे'देम'यञ्चे'म' थैक बेर का वें रमय पमुर रुपये कर दा गलुर मी दुय देय दर्पाळम्य पर र्बेग्बर्सु र्हेबर्द्य आपक्ष्यर के यक्षेत्रक होत्र या निष्ठ स्वाप्त के स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त रम्बर्मुं म्युः मदि ब्रान्तु मुन्नर्के द्राम्बर्मे के व्यवस्त्रे प्रवास्त्रिया स्वयः द्रा गलुद्रामी सामसाना इससाया से जन्मदे प्रतीय प्रताय प्रताय स्वरार्धेत्। तुर्भेगसा हेरा **अः श्रुचः यदेः ५ गादः ६ त्रः व्याधितः यः अः अः अः अः अः अः अः यः अः** अ नर्मे अः शुन्यः प्रात्रा । एत्यार प्रार्थे क्षेत्र क्ष <u>5्बाञ्गनबायबाबह्यार्हेग्बाराने।बाउदीराययादीराउन्नुग्वञ्चरायराबीया</u> यदैर्गादर्भाकेम्पेर्यस्य र्थेन्। तुष्म्भवष्यदेरद्रिष्मायर्येन् ग्रेष्केर्प्यने (四日)भ्रेग बेंबबाग्रीपिंग्रेराभ्रद्याङ्गेराया रेगाम्बन्याङ्गेराया र्गेबबार्खेया क्रैट'या र्श्वेर'याक्रैट'यायरुषायार्मेयायदे भ्रामुण्यदायसुराधुदायाद्वा भ्रामा पर्ने मुक्य पहें क रूप र्मे प्रामुद्र आयक मार्डे में प्राम्य के लिया प्राप्त राम्य के क्षेपप्टमान्त्रम्थाः स्वाधाः स विमा'नु'खा'रेपे'श्चेन'र्नेन'रेमा'य'न्ट'न्यय'पर्चेर'ग्चै'म्ब्य'यम्न्'णे'म<u>व</u>्ट'युग्र्य'

र्श्रेम्बर्यार्श्वेराम्बर्धेरामुबर्ध्वरम्भवस्य में मुक्तिम्बर्धेन् मुक्तिम्बर्धेन् मुक्तिम्बर्धेन् स्वर्धेन् स दुट बेर य लिया गीय र्डे अ अट र्थे विया है। रेया या क्या या यर यहे र्रेसेट यी क वर्षां"ठेबाचम्राचुदा देर्बार्येदाषीबाचीबाचवीकेरार्डेबादेर्वार्भीषावर्देदा णुप्दतुब्द्याकेवर्भाक्षेत्राचुद्दर्भद्या युद्दर्स्याविषायार्ग्वीषायुद्यायदे स्रायायाः चुटा नेते हेश में न पुरायें न के निवास पुटा मीय में साम के प्रायम स्वास कर प्राया नक्ष्यानाधेम्। ईसाम्चीपन्नीसूरम्। येसयाग्चीपकरासूरयार्करासरामायसा য়য়য়ॱॻऀॱढ़ॆऀ८ॱगर्ने×ॱয়য়য়ॱॻऀॱ**ড়ॱয়**ॱঀ৾ঀৢ৽য়য়৽ঀ৾ঀৢয়য়য়ঢ় र्बेर्। तुनः दुः कनः श्रेरः र्वेग्यः ग्रेः भ्रेष्यः भ्रेष्यः म्हा स्रेष्यः मन्त्रः मन्यः मन्यः ग्रेः (Individualism) क्ष'निये और 'या भेगिलेये 'दर' भे 'क्षेर' में पंचर' बेर' यार्शेग्रायानग्राया र्देवाण्या हेन्याण्या क्षेत्राया हैन्याण्या क्षेत्राया विष्या विषया वि सर्वत रे प्यट से प्रतृषा प्रसम्भावस्य प्रतृषा प्राप्तेता कु सर्वत रे प्येत <u>चे</u>राता रैगाग्गत्रयाग्यरायहेदीकेतार्याते प्रत्यार्थेटा क्षुयायदी येथया ग्रीपिष्ठेरा सूट्या बिमाप्ता र्देवा भेतायदे प्रमुकाप र्देषाते प्रमाप्ता पूर्वेता प्रमुका के मास्य स्वीता स्वीता स्वीता स्वीता स्वीता यर यलगाय धीना धीन नवर प्राये प्रमाय मुना है निर्देश के दान मित्र है। मिर्केश के दान मित्र है। मिर्केश के दान मित्र है। नपदी देगम्बद्धार्यकायादेशपद्दिन्यानुषायम्बद्धिनकन्दार्येपद्भप्यम् कुटामिर्देरमिष्ट्राचादिर्देशमध्याचेरामेर्यामुखायायव्यव्यव्याचेराम्या गाः अर्भेगाः यः नदान् में त्रायदे श्चेमार्देमा त्रायुन् यदे गुर्ग चुर्म नामी र्षिन् पुरश्चेताः र्डे मुयाद्रा देनामानुदानियादह्नाद्राप्यम्भिदायामम्मायराने भ्रेयार्ड मुयाया निवर्षेर्यम्पर्दा विकेतियर्द्रयम्पर्यः अर्थियः क्रिक्ष्मेनायाक्ष्यः अर्थान्यानायाः विवर्षे र्केमशप्तुः अदः संदर्भे केमशर्थेदः सरः देशा देः चित्र केदः महिरः मुद्देशयः अर्टेंक्'यपै'न्ये'नेय'न्ट'नु'र्केग्बाक'केन्'नु'यर्जुग्बाक'हे'क्वेट'पर्नेट'खे'न्'खे'नु' ष्ट्रियं मृश्वेयं प्रविद्याप्त विद्या के प्रशेष्ट्रियं के प्रश्चेयं के प्रशेष्ट्रियं के प्रशेष्ट्रियं के प्रशेष के प **ब्रह्म स्थानिक स्थान** 

विवाबर्द्यामान्याचीयाः विवादित्याः विवाद्या विवादित्याः विवाद्या विवादित्या व सर्वे र्हेन में न प्रेमा मासर प्रश्नर कृपों न के दा ने न सर के श्री सु । स्वर के स्वर के स्वर के स्वर के स्वर के स युष्यः सुः र्हेर्भः दे 'त्यायमेत्यान्य प्रदाया प्रमात्या विषया स्वाप्य स्वाप्य स्वाप्य स्वाप्य स्वाप्य स्वाप्य २००१में प्रान्ये नेय नुप्र पर्मीन केया अद २००५में प्राचे स्था महिषाय न्या । *ञ्चु*बर्गुबरो र्सुग्बरगुबर्गुः एय ५५ श्वेत्राय ५ गार्बिग्बर ५ ८ गो क्षुर्य के य दे क्ष्मा र्विट मीस "मुन्यस्य प्रवाद न्या मी स्या के प्रया क्या संक्रीत प्राप्त ने के निर्मा स्थाप क्या के प्राप्त के प्रया क्या स्थाप क्या के प्राप्त के कम्बाक्ष केट प्राप्त दे के 'र्ले 'केट 'स्वम 'र्ले क' स्वे 'रेम 'म्बिक्स मीम मी 'अटल 'यूब्र' त्युद्रस्मिद्रा भैं भें र्स्ने स्वार्भेन स्वीर्भन स्वार्य स्वीर्भन स्वीर्भन स्वार्य स त्रक्रम्प्रेट्याचुटायामेद्र "ठेयायम्द्रायाष्ट्रम् विष्यादुटाषीयामेद्राचीयामेद्रा र्थेन्'र्कन्'ह्रे। न्येन्'क्'न्युक्'हे'र्सेग्र्याणुर्यान्य्यंन्'यान्यर्काय्ह्यानुर्याप्न्। भै नबर्मा कुर्व्सिग्मा बक्बेदिक्क स्वुद्धान रेप्त्रम्थेक समा र्वेद कुर्म ग्रम्भात्र म्याग्रम्भात्र विष्या प्रकटा स्वीत केष्य स्वीत स् ५८। बेबब'णु'पष्टिर'सूटब'रे'र्वे'र्सूट'स्रम्'बट'र्ये'रेट'मी'र्वेट'णु'रेम्'म्बब्ध <u>५८। लॅं कुरायरा चुट या रेट रेया मन्य पर्वा क्षा स्वाय दे रे प्रेमा मन्या</u> ग्रबर्ग्यहेत्रै केवर्यो स्रम्बर्ग्ण विदेशम्बर्ग्य केवरम्बर्गे प्रवाद्य स्वरं ष्ट्र'यदै'ग्रेल'य्यअ'द<u>्य</u>श'ग्रुअ'ग्र' ग्रेश्चर'क्श'कु'य्र'कु'य्र'कु'य्र'क्श्वा'य'य्वेक्'रु'र्दे वर्से दर्भे दर्मे दर्म दर्भ दर्भ वर्भ में अगावा "देना मात्रवा" ने दर्भ में वर्भ में यहें मुर्य "लेग प्रा दे के "हैं के मय" लेग प्रा कय है प्रा प्रा वर्चेराग्री मुस्याया भेषात्रायाया मेने वाल्या स्वाप्त वाल्या स्वाप्त विष्टा वाल्या विष्टा वाल्या विष्टा वाल्या विष्टा वाल्या विष्टा वाल्या विष्टा वाल्या र्रे 'मृद'मीस'पर्देन'यपै'रैमा'मानस'क्वैद'य'ने। एद'र्रे 'प्र'र्सेमास'परुस'यपै "भुग्रम्रर्भेयाकेटामान्दा मन्नमार्भेकेटामा निर्मानेकेटामाने स्वर्भामा रैट'ख़ुम्बर'द्र्य"द्र्य"यग्बर'यर्गेद्र'क्कुद्र'द्रह्र्य मुर्'द्रेद्र' उठ्य'"मुर्'द्र्य प्राप्त वा दे गिष्ठेशरेन् विवायरुट्यमे पर्नेन्यपे रेगामान्य के केट या ने विवाय में या निवाय

यदै'"क्षुर्केशर्रेट'सुम्बार् हे। दर्नेर'क् र्हेन मुर्चेन मुर्ग्रेम्मम्बार्याययया उन् वटानु पशु न्यर र्सुग्या शुम्यर पहे की न्या क्या उत्र शुम्ययर पहे विकास धेव यम मैगागवयाण ग्रायम महे विगाधिव वियायम् प्रायमित परि संभित्रे र मुद्रामीयागुद्र भैमामान्य के केटा स्याप्ताद्र प्रमुद्र स्थाप्ता स्थापता स् हेश'भुश'भ' गुर'यदे' गुट'र्में 'रेग' ग्वस्थ' पर्दे 'रेग' ग्वस्थ' ग्वस्' प्रश' द्यट' दु *ଞ୍ଚୁ*ᠽॱय़ॱॺॺऻॖॖॸय़ख़ॱख़॔क़ॱॸॣॸॱॸॱॸऻॎॾ॔क़ॱॺ॔क़ॱक़॓ॱय़ढ़ऀॱग़ॗढ़ॱम॔ॱऄऀॺऻॱख़ढ़ढ़ॱॿॗॗॗॗॗॗॗॗॗॗॗॗॗॗ दॅर्मेशयारेद्राळेषायारेषायायस्थात्रयान्त्राद्याळेषायाद्यात्राचीयायरायालेषा यह्मिश्राप्तम्भागेरेत्।यूटाकुश्रीरैमश्रामेर्दम्भामात्रश्राम्थरायात्रम् यात्रम् दे'कै'८'ळेंदै'र्रमा'माक्रथ'घद'ण्चै'द्रश्मेमाय'ध्रुत्य'दे'र्रेदा" शिंदै'र्छे'फ़्ट'मी'मासुट' र्डेमगारेमप्रस्थागिर्भागाप ८०० रियम् स्थापित स्थापित स्थाप रुप्तमीशर्चेर्पर्रिष्यरमुशपर्मेपर्मेशस्य नम्याकम्बाङ्गिप्यायस्य उर्पर्येस ने। ग्रथरः याग्यरः मुदः विगायह्मायः दर्गेयः वेयः यः दे 'रेदः देयः यम्दः प्येदः यः **देराविंद्रामीबामाबद्रामुद्रादेखेः"**द्रमाकबाग्चीमाबद्राद्रोद्धाद्राद्याद्रद्राद्धाः नर "नम्भार्भेदेरप्रमार्सेद्र" मुद्दर्भम्यन्दा "क्षुप्रदेर्दरम्यद्रगासेद्र र्बेन्बरण्चैबर्निटरश्चरायार्नेवर्षेत्रा र्त्वेर्त्तेनान्बर्यस्तिन्ब्यरायहेर्स्वेटर्न धेत्र विश्वामाश्रय में महिंद र्थिता हैमा हैं र यदिये तर मी मदमा शेद नेर स्वर क्रिंग'यर्ने'त्रूटशक्रें। कु'याकु'यलग'यायलेक'रु'र्नसर'सुट'रसग'गे'क्ष'याहें। प्रतेष दें प्रति । देवा वाष्ट्र में स्वाप्त्र स्वाप्त्र स्वाप्त्र स्वाप्त्र स्वाप्त्र स्वाप्त्र स्वाप्त्र स्वाप यर मु देना मालु ए मी प्रमा में नाया के माया में प्रमुद र्थि है स्थेत बेर दा प्रमा महेदै'केद'तु'द्रम्'र्ने'दे'द्रम्'मार्नेर'दर्गेश'मर'मम्द्रार्लेगश'तुर'मीश'गुर'द्रम्' में निष्ण भी र दी र निष्य र में से अपने हैं। इस र से प्राप्त क्या से द से द से द से स्वाप्त स्वाप्त से से स्वाप थेंदा र्लेग्यरुट्यी "मेंग्यर्ये "के रेग्या मुक्यम्यस्य से हेर्सेट्या मिक रदा "द्या

र्ने"कै र्रिन्द्रिते स्वान्य प्रति स्वान्य स्वा

ल्नियानुदार्ड्यापिन्दियास्य ल्नियानुदानिस्यास्य प्रमुख्यास्त अस्य स्थानित अस्य स्थानित अस्य स्थानित स

युक् मुक्ष र्यो अट र्ये र र्ये द ग्री मार्थ र यहे य र द र केंद्र मार्थ र यहे दे र र र गमिषाश्वरार्थेदायादगावालियादयुदायुषाने। देखेर्देवाबेदाययाकुषाळ्याद्वा ख़िट्य'ख़ुट'र्सेग्य'र्ठे'अट'सेट्'यराङ्गद'केत'र्येदे'रूट'मेथ'र्ठ'विगमेयाख्याची' गानुबाकेवार्याक्षेत्रायादगायेत्। रेगबायायाद्यागानुबाकेगबार्वेगबार्वेगवार्वेन्। दे मिल्र क्रिक क्रिक में मा मी प्रायम पुर पर्मी मुद्देश में भी मिल्र के में मा स्वार प्रायम स्वार स र्क्केयायाद्या यमामुगाबुदाखुग्रायायायस्याण्यादेत्रायदाद्यायमार्मेग्राया स्वमा <u>न्युन्यरामुन्यदेग्विश्वस्रारुन्स्यार्बुरावटान्। १ससार्सुटान्देयाणुःबेटा</u> क्ष'यदेक'य'र'र्श्वेद'य'र्शेग्वष'णुै'ष्रयष'द्रदःमेष'रय'स्वुर'क्ष'यदेक'य'र्देर्श्वेद' ५८१ रैम्बर्यदेश्च्र्याचेद्रार्थेम्बर्स्याकेद्वस्थित्त्वस्थित्त्वस्थित्त्वस्थित्त् *य५ॱअ'यतुआर्द्वेम्ब'रु८'र्सेम्ब'णुब'र्से५'णु'मेब'र्रम्ममी'*क्याअ'र्सेम्ब'य'र्स्हेट' न इया अ नुषा के दाया अदा के बार्च विषय के प्रमुख्य में दाया के प्रमुख्य में दाया के प्रमुख्य में दाया के प्रमुख्य में दाया के प्रमुख्य में प्रमुख्य में दाया के प्रमुख्य में प ५८। केर रुर्श्सेय माहेर पुरुष यारे प्रश्ना यादा योदा योदा विकास के से हिस है से हुआ यर र्चेर ग्रीभेश रेग प्रेंटश हैंगश रदा वद केंश दे यह वर देश है। <u> लुम्बर्य दम्य अर्थे अर्थेम के कर्ये मुम्य यदे खें या द्रा युम्बर् लेगा हका हका थें दा</u> र्देन'ग्रुय'मुय'मुथ'मु'य'र्गेट'रु'यर्हेर'र्थेर'य'स्ट्रम् क्रैट'लेन'रटा र्श्वेय'मुन'रेग' दे'दर्गेब'बेक'मु'र्देगब'य'यञ्चद्मा यद'अ'यत्युअ'द्रा र्लेगब'दुद'ग्रेब'गा' अर्देव व ने प्रविव मेन वें न के किया में व किया में किया  मैश'नष्ट्रश'णुट'स्रोटें त'म्बय'रेट्रा (यदेये'र्स्नेर'र्ल्म्बर'तुट'र्स्यम्बर्'याय'यात्र'र्स्नेम् अम्बर्दम्मम्बेश्वराद्वायाः स्वर्धान्यस्य स्वर्धान्यस्य स्वर्धान्यस्य स्वर्धन्यस्य स्वर्धन्यस्य स्वर्धन्यस्य स्वर पक्ष्मे विक्रानिता मिंगाहिका श्रीका के की क्षेत्र सम्प्रेम स्मिन स यः र्हेबर्'र्केम्'बदः र्ये प्रमुचर्'र्येत्। द्येरक्'यद्'ब्यत्युबर्'मुबर्'बे'लेम्'मे र्ह्येद् यभःग्रेष्ट्रेट क्यार्श्वेत्रक ने ग्रियाभर्येट क ने ये ग्रुन्त ने यार्थे नया ग्रेपें क निक्र के पर्पे केन में निग र्थे र गुप्त अर्थे द के खुयाय के निप्त पाय सम्बाधिय सम्बाधिय ष्रुक र्केट मी एए दर्के अभीमा प्षेत्र "यदी स्ट्रम क्ट पा अटक मुक्ष प्रयोग स्वया केंशप्त्यूदा हेशप्रह्माया शेशशणुः अष्टिरः श्रेंया दमाया र्थेशकेंमा केतर्यो सुरा थॅर्पर्पर्पेयविष्ठरेत्। यर्ष्यप्रमुख्यस्य विषयर्द्रप्येष्यः या मी' घर' प्रामाद' रेपे' घर' द्रश्य श्रुद्धार्य प्राप्त द्रश्वेदा मालुद ' प्रामाय ' ग्री' मात्र द ' प्राप्त देशा यत्रश्चिरायन्दामीयमें सूद्यार्ट्यायदानेयायवित्रयोदात्त्वा समेयायद्दायी में नित्रिक्य मुंबाकी पर्वाप्य केंद्र में विषा में सिया मुंच सहदान हैं बाजा परिष्य में भै वर् यदे र्वेम द्योव अद र्ये प्रमुच र्वे द्ये द्ये विद मीश पर्वे र्ये मुश नम्दाण्चे र्भेरायापदे स्वरामम्दार्थेत्। "यदाशे र्यो सदार्ये साम्वेदायपे हुै। र्थे 1789 में ना इप्तर्भाया इसमा श्रीमा की स्वीत की स्वी र्वेच'बट'ग्रथ्य'नङ्गग्रथ» सु'ग्रथ्य'र्येर'चर्गेद'तुश'सु। चेद'क्रथ्य'ग्रैथ'रूट' न्नर न्र प्र अध्यालेश या में र्चेश पें न या भी प्र स्था मी प्र हों से प्र प्र प्र मी प्र हों से प्र प्र प्र प्र पर्विगाधिक या कार्मी सेरायपि र्केरा देता क्रास्त्र की पह्या मुद्रा लेखाया दें हिंदा ৴ঀয়ৼ৾য়য়ৼ৾ৢঀয়ড়ড়ড়ৣ৾৽য়ঽ৾য়ৼ৾ঢ়৾য়য়য়ৼঢ়য়৻ঀয়য়ৼয়য়ড়য়ড়ৢ৽য়ড়য় पहेंत्रप्रेंत्रप्रयाप्तित्यायायाप्ति प्राप्ते प्राप्ते प्राप्ति प्राप्ते प मुग्रामन् (1830में) मह्यग्रामहा स्वरा पह्यामी एहें या स्वरासी स्वरासी स्वरासी स्वरासी स्वरासी स्वरासी स्वरासी स यदे'खुव्य'मु'र्भेर'विग'मी'र्भेर'यसुर'र्नग'ष्ट्र'सूट'र्न्ट'म्निव्द'र्घेश। अर्ळर'म्निअ' **શૈ**શ'વરેદશ'ફે'ૹૢ'ૹેંશ'શુ'ધુम'અદ્વ'માર્બેશ'ય'ર્જઅ'પ્રશ'એ જેંશ'શું'સેંગ'ર્ફ્ફેડ' युनः सेन् संपद्रा" अन् कंपिन् के संपन्न नास्पन्। सन्धन् सान्धु सर्वन न्तरं निष्या के स्वार्थ स्वार्य स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार्य स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ

र्लेम् मुर्लेषाया पुरायोषा रेडिया श्चेषा युयाया प्राया २००० वर्षे व्याया सर्वे रेडिया श्चेषा युयाया प्राया १००० वर्षे व्याया सर्वे रेडिया श्चेषा स्थाप स्याप स्थाप स्याप स्थाप स्याप स्थाप रैगाबाद्ये सूत्रायट गोबाद्यर सूत्र पुषायदे दह्य मुद्दीट सुषायत् द्राया वेंरास्र र्लिगा अर्गे प्रायुग्य पा से या उत्र युया तय ( परे पे क्रीर हे या सुग्य या पे र <u>बुर्केम् रिसरः भ्रुकः पुरुषः परुमा</u> र्केरः प्रायुव्यः परिः रमा के सामसः सपिः रहः सबिकः मुं र्वेरप्यार्थेग्रां अप्येवप्यम् कृष्ण्यात्रस्य उत्त्याय क्षेत्रप्याप्य स्वाप्य स्व हम्बर्खुअर्देक्यअव्यावत्। वेद्युर्गुम्यय्याद्यस्वय्यावर्षेद्रस्ट्राह्यम्पद्या बेभषाणुप्तिष्ठेराष्ट्रद्यादेखर्केन्यविकार्येदायारेता देप्तिवक्षेत्रायेदाणुष्मध्यायहेर यमाल्कर्मणप्राप्यद्वर्ष्यद्वरमालेगारेत्। द्येर्क्षर्भर्म्र्र्भरम्बेरम्बलग्मेषास्रकः ॻॖऀॺॱॼॆॺॱय़ढ़ॆॱ"ढ़ॾ॔ॺॱॻॣॏढ़ॱक़ॗॺॱय़य़ढ़ॱऄॣ॔॔ॸॱॻॖऀॱढ़॔॔ॺऻॺॱढ़य़ॖ॔॔॔॔॔ढ़"ॱॿ॓ॸॱय़ॱढ़॓ॱख़ॱय़ॿॢॺॱ हेबा विट मैब "र्बे क्षे कें उन मैं दिया केंब के केंद्र के के प्रति केंब के किया मुख्य ग्रैबाटायायम्यदेनम्बार्टमायुकाम्बिमायद्वार्येत्। बेटार्ट्रमाग्रैबाम्बिषा र्रेअ'देपे'यर्हेद'र्देब'गर्रें'र्ये'र्हेगश'य'यर'र्लगाअघप'व'द्युद'यर्हेद'र्रेअ'ग्रै' वर्गे द्वार्यं अप्यान्य विषयम् विषयम्यम् विषयम् विषयम्यम् विषयम् विषयम्य ढ़ॖढ़ॱढ़ॖ॔ॿॱॿॖॆढ़ॎॾ॔ॺॱॺॖॖॏढ़ॱक़ॗॺॱय़क़ढ़ॱॿ॓ॸॱय़ॱढ़ऀॱढ़ॿ॓ॱक़॔ॺॱय़ॿॺॱॻॖऀॱॶॿॱऄ॔ॺॱय़

रेट्'रेब'य'पट्टे'यग'र्रब'लेग'यम्ट्'त्राधर'प्रह्ब'त्तुट'कुब'यम्ट्'प्रब'यङ्ग्रह् यदे याष्ठ्रयाप्रयाद्वा स्था द्वेया ग्री मेया सुपदि देनाया के योदी देनाया स्थापन ॻॖऀॱग़ॣॖॖड़ॱय़ढ़ऀॱढ़॓॔ॺॱॠय़ॱड़ॖॱॻॾऀॱॸॖढ़ॱय़ॱぢॺॱय़ॺऻॺ॓ॱय़ॖॱक़॓ॱॺ॓ऻॱऄ॔ॺॱॻॾॺॺॱय़ॱॵढ़ॱ बैक्'मुै'खुब'के'मु'मुं'र्षिक'क्ब'ब'र्थेर'दे?"'द्रदा "वह्ब'मुद्रिव'मुब'यम्द्र'ठेब'य' पदै'रूपार्ष्टिप्'रुग्'मी'ख्य'अर्ळर्'रु'पर्द्वे'यपै'रु''विग'मी'पर्रव'र्ये'र्वे'र्सेव'५व'ष्ट्री' थैव'यर'त्रुब'वतर'मवब'त्रुगब'वे'हर'पविव'हे।तह्ब'त्रुब्र'प्यम्पर्'णै'स' नवैभेशनु ने र्नामी यसमार्ने र सायक के हिरानिक कुन र्सु मार्सी मारा कि का में मारा নদ্রীষার্মার্ বিশ্বনাথ্যমার্ম্য অহামীর নমার্মার্শী শুদ্রী কান্ত্রী মান্ত্রী মান্ত্র थैग'रे'विय'र्'ग़ुर्गिग'य'थैव'वाबेट'र्स्र-'ग्रैब'यैब'यदे'ब्रुट्-क'रे'रग'य'यव' परेमबर्गिबरमपे मु बर्बन रे यद बे प्रतिमा मु बर्बन रे येन बेर न दियां ฃฺผฺฆฺผฺนัญลิๆ รุเลเพ์รุนฺรุเลทั้งสาติฆฺ "ฉฺยัมฺทู๊เลูฆฺนฺคฺรุ" มฺ नङ्गम्यदे भ्रुनानुन्दुन्द्रान्यया वह्ममूनि श्रुष्य पेत्रमेत्रे प्राप्तान्य <u>५८ॱम्८ब क्षेयं भ्रीक्ष मुध्येद स्वेद मी स्वरं के विषाद्य स्वरं स्वरं स्वरं स्वरं स्वरं स्वरं स्वरं स्वरं स्वरं</u> *बद्दा द्रमें केंश ग्रुप्त सुद्धा द्रम्भ स्वर्म में "द्रह्म सुद्धा सुद्धा स्वर्भ कें पर्य स्वर्भ कें स* र्थेन'न्न'भ्रैश'न स्थय'य'ने द'रेश' स'य' १९ दुस्य प्रमुद्र' से द्वा क्षेत्र' स्थापय'य' য়ৢॱॸ॔ढ़ॱॹॖॱऄक़ॱॸॖढ़ॱक़॔॔ॸॱज़ॿॖॖॖॖॖॖॖॖॖॗॖॖॹज़ॎॶॱज़ॗॱॸऻॹॱॴॺॺॱॸॱॹॖॱ थेत्रणुट र्दर्य द्रादेशकायायाय हेत्रत्य सेषा सुगाट थेत्र या र्रेस केंगा केत्र यें मुगायविक र्थेन यानेना धेक क्वर प्रति सुराग्याय के प्राप्त प्राप्त के वा यदी इसाद शुरू रेवा मी के रहमाया यह दाय विया में स्वाप्त प्रस्था प्रस्य प्रस्था प्रस्था प्रस्था प्रस्थ प्रस्था प्रस्था प्रस्था प्रस्थ प **ॸ**८ॱमैशॱॾॗढ़ॺॱॸॱॸढ़ॱॹॱढ़ॱॸॣॻ॓॔ॱग़ॣ॔॔॔॔॔॔॔ॺॱॺढ़ॱॺॱॸॗॺॱय़ॸॱॸ॔॔ढ़ॱऄ॓ॸॱॻॖऀॱऄॗ॔ॺॱ क्रमाकेन र्से निमासुमा निन्न स्पर्ध सेस्य भी प्रतिम सूर्य पर्दे स्पर् में सुर्य पर्दे स्पर् में सुर्य हिर **੫**작'ठक'५८।

ढ़ॖॱॻॱॿॖॸॱय़ॾढ़ॱढ़ऀॻॱॻऀॱॡ॔ॻॱढ़ॺॱॿॗॖॖॖॖॖॖॣॸॱॻॱऄढ़ॱय़ॸॱॡॸ॔ॸॱॾऀॸऻॎॸ॓॓ॱक़॓ऀॱॸ॔ॸॱॻऀॱ ॻॺॸॱॻॾ॓ॱॻॱॸॻॱॻऀॱॺ॓ॺॺॱॻॖऀॱ॓ख़ॗ॓ॸॱॾॖॸॺॱॿॖॸॱय़ॸॱॾढ़ॱॸ॓ॱॺऻढ़॔ढ़ॱ ॸ॔ऻ

र्वेर्'गु'रैग्'यदे'र्यद'र्वे'र्दर'र्थे'कुश्र'वर्जे'या

श्चेर'ग्रै'यहेमास'भ्रेत'द्रा यहमास'मासमास'चुर'र्ख्य'घसस'रुर'र्येर'ग्रैभेस' रैगान्दा र्वेदार्श्वेयात्रसम्बन्धः उन्णुम्बेदानुप्तगायाने। र्वेन्णुम्बन्दासम्बन्धः नर'नष्ट्रशर्थेट'नुश्रा व्रथशं उत्थाप्योगं य'त्रा रूट'रूट'में र्ह्वे'र्देर'त्ट'शै अधुत्र'य'र्थेट'मेतु'र्थेट्'यथा मिंर्केश'रूट'रूट'र्शे'र्शेश'सूट'र्टे'प्कर'र्द्ध्य'या'र्हेश' वयार्चेन गुःर्ये कुषायाय ग्रेयाय मन् न्दा मिं के न्दा अध्वन यदे न्यय में न्दा ह्रम्या देपवित्याम्याम्य म्याम्य स्याम्याम्य स्याम्य स्याम स्य वर्डेशर्थेर्यरेत् वरिष्ट्रयम्बर्यर्यर्त्त्वर्ये। रेप्विवर्ययर्वेर्र् अ'र्सेग्र्य'णु'र्ये' क्रुष्य'यर्जे' द्र्मेष'र्थे द्र'ष्ट्रेम् देत्र'ग्रुय'कुय'ते' र्वेदे सेस्र्य'णु' अष्ययान्दा न्ययार्निर्सेष्याणेष्ठितार्केषानेर्यदानिदा नेदीर्धेरार्नेन्यूयास्या वार्चेरणुं मुबरम्महेरायाद्या देयास्य वेरणुं क्रुवायमामी श्रेवायहेराया र्शेमाश्रासर्वेत्रायपिश्रीटाञ्चार्वेमाश्रायम्माश्रामे। देमायपित्यपर्योत्नेमायीत्रायसा मुवारीमायदे न्यदार्चे पर्वेषायदे विष्युषा ने मुष्यार्चे सर्वे न दन्ना विदामी श्रीटायार्चिमान्दरार्येमा मिन्सदासर्वे र्हेन्सी मैनासासूदायधेनामदानुमासमानहेते। यसगा'तुस'त्स'र्विदेशेट'य'"क्ट्रापश्चेत्र'कुय'वेस'पर्वेत्'यर'पन्द्र'हिटा श्चित्राम्यार्भमायहेमाम्बराष्ट्रम् नियाहेषा "म्हर्मेत्रायान्या स्वर्गेत्रायान्या स्वर्गेत्रायान्या स्वर्गेत्राया र्देन मुयम्मुय "लेब पर्येद पादमा ग्रामा बेबब स्याद प्याप्त बालेय द्युद पुरा <u> ॲंटर्नुया न्यरखुटर्न्यमालेगान्यर्रमागन्यरम्ययरमहेर्यलेगानुर्वसुरया</u>

५८। दे न्या दे प्रवित देवा प्रवित्त प्रवित्त प्रवित्त वित्त का के प्रवित्त के प्रवित्त के प्रवित्त के प्रवित्त यद्रा वर्षण्य वेद्राण्य के द्राप्त के विष्ट्र र्केंदे'र्ले' क्रुबादा हा प्रतिप्रदानी विषाय उषा अर्कें वायिव में वाया क्रिया की हेशस्य यदार्यिकेंशर्देवायायामुयायीयोकेंदिता क्षायादता देप्तिवर्यस्यायीया यठश्रायायहेत्रात्रशर्येत्राणुःरेगायदेःत्यदार्याग्वतात्वेगाणुदाहेत्राहे। त्गेः पर्वं केंबाप्येयार्देवायायामुयास्या हैंबाही देयायपे द्यप्ये विया प्राचेंबा र्थेता विकिति सेससा भी स्वाप्ता नवो केंस के र्देन मूच मुख र दि प्याप्ता केंद्र बेव दा ग्रामी दा सुव वमा उव भी दुष भ्रम्य व दे या माय मार्ने द भी भी दे । र्देवसप्पेर्परप्रदा क्रांसेनानी सुप्तसाष्ट्रयायदे रनी पर्तु के सापसेवा ग्रीसा र्नेर्'भे'भर'पर्रे'मिलेम् पर्दभ'सीर'"र्धेक्'र्वेक्"म्चै'भे'भैगश'म्बाश'सु'प्यर्'प्र'र्' र्डेप्प्रसम्बद्धम् सुबर्धेन्। र्वेन्'ब्रेग्नार्ग्नो'न'स्नार्नेन'न्द्रस्खुर्द्धम्बर्ग्चेबाखनाया दे'दग'मैश'मर्सेन'तु'मञ्जूद'नश'मश्रद'स'सेद'सेश'द्रोदेश'मुग्रश'ग्रद'ण्चैश' अट'र्चे'चन्द्र'र्जेदा क्ष्मा'यर'रु'द्मे केंब'णु'र्ह्चेद्र'य'हे। अ'रमा'अश्रुट'य'द्दा र्श्चेप्ययः भ्रुप्तुपे र्श्चेद्राया इससासा साम्यान्य स्त्री विषा प्राप्त स्त्री स्त्री प्रमासा सामा स्त्री नर्भेर्'य'अट'र्ये'नुबर्'र्यर्य'बर्| र्रेब्'गून'कुय'र्ट'पर्'पर'र्गे'र्केब'अट' चॅं**५**ॱॹॖॖऀॱॸऀॺऻॱॸ॔ढ़ॖऀॱॸऺॸढ़ॱक़ॣ॔ॴॹॺॣॸॱॹॗऺॸॱॹॣॕॸॱज़ॗऀॸऻढ़ऀॱॷॕॸॱ माल्य पुः वुः प्र्रें स्रो प्रें राय प्रमाण्य प्रमाण विमाधिवयारे रेर्दार्वेट द्वीम्बामाया उत्र दुः स्वयाया वी माववर दुः स्वीट खेराया यहैतानगे'खुग्रायायायायायार्यान्यायाये हैट'यार्भेर हैग्'न्टा वेंन्'णे हैट'गार्नेर' न'विना दे'निवित र्हेन मुै'निनाद भिना र्ह्मनाय अन्य स्टास्त्र विस्तर विस्तर में गुरुर पुरुष्टें स्वाप्त हिंगा रेता

**भवतः**र्ह्भान्धी

मि दे नि दे नि दे नि से नि से

मि दिट्यस्यस्य र्चित् भी र्ड्स स्वायणी हेस सु यह वाय प्रवाय है स्यापे के स्वय के स्वय

रि र्निर्णे र्रेअ रैमाश्रिन पहुना य द्वामी शर्ने क्या नामा स्वामी स्वाम

बेशवाणु पाष्ट्रेम स्टूर वार्षेनावाया क्षेत्र पर्धित का स्वापि के विषय प्रमाणि के वार्षेनावाय के

अवत्'अते'क्षद्र'क'क्ष'तु'त्या क्रेट'मार्नेर'मैं'क्ष'त'त्दे'के'रेगा'ग्वक्ष'मार्थर' महेदेख्यायेन निष्ठे देखेंदे रेगामन्य हे। दर्गन्य प्राप्त हा क्षा हे मनि <u>५ये 'देय'र्सेग्रथ'यर्रेस'र्स्र 'स्पर्दे हेयासु। से 'हस्यय'ग्रै' सेस्रथ'र्मे 'र्रम् म्यूर्य</u> णुष्दर्भेषार्द्रभार्षेर्प्यारेपर्देशकेराकेरार्द्रप्यस्थायन्त्रम्थ्यायान्त्रमाय्वेषा दे नब'र्'क्ष'क्रेट'गोर्नेर'ग्रै'क्ष'न'पर्दे'र्बस्य'गोर्डे'र्द्रा क्व'रेग अर'ग्रुब'र्सेग्ब' यापन्नेयानार्डिप्यम् सेन्यम् सेन्यम् सेन्यस् मायान्यम् यापने प्रतिस्थितः ग्रैंगावर र्देव रे प्येवा ग्रायर यहे य द्या मीय र्येट ग्रै के रे मा मावय प्रथा उद् नर्रेमळॅर्यार्येत्। त्रक्षक्ष्मायुष्यसुर्येत्यते। वदमीर्येत्रणुर्रेमामव्यत्दा पर्भेषपदिन सूर्षरे सेत्र पृष्टि हिंद केंबर में द्रेश सर्गे प्रद्र मेंबर र्चेन् स्री सदायाप्यान्यान्याप्रस्यान्त्रमा निवानि हेन् मुल्ली क्रिया स्वापनि स्वापनि स्वापनि स्वापनि स्वापनि स <u> नृषान्षानेनाने प्रथाष्ट्रेन स्वाप्यार्थे में स्वाप्य प्रयाप्य स्वाप्य स्वाप्य स्वाप्य स्वाप्य स्वाप्य स्वाप्य</u> **बटामी'य्ट्र'मेबा'दे'र्ट्यालेमा'**ञ्जमा'युबा'बुराय्हेमा'यर'तु'लेबा'येमा'कु'द्रटा'यठबा र्नेर्'गु'म्बर्यस्यहे'य'द्गायालुब्ययाधेता

बुर लु।

स्रम् मुर्म् मेश्य मेश्य पर्देश पर्देश पर्देश पर्देश पर्देश पर्देश पर्वे प्रमालक प्रम प्रमालक प्रमालक प्रमालक प्रमालक प्रमालक प्रमालक प्रमालक प्रमालक

**৴**८ॱमी'न्रभेग्रथ'र्नेत्र'त्रे'नेग्रथ'य'न्८'ग्रान्त्र'ळेग्रथ'न्८'य्येय'य'र्थेन्'येत्र'स्रीन् क'लिमा'मी'अर्गे'र्र्श्वेट'र्याये'केट'र्ट्'र्येश'र्यापेता यहेट्'यु'र्ट्ट्र्ट्र्र्येट्'याट'मी'यट' वबाकी।यमानारीमानीबादायबादुःबीत्वर्गेनाद्या चयाके।यात्मादार्थेद्रश्चेदः र्बेर्। वियः मृः यश्वायः मादः मीशः घरः तथः गुदः येरः गुः भेशः रेमाः पेदशः हेमाशः सः गर्नेरमिर्दिर्द्रमें अनेरप्राथकायह्यार्थेरार्थेता र्डेअप्रुटप्दरेखयदाद्रमें केंश गिन्मः कुन्यान् प्रत्येष्ट्रां कुष्येन ययदा श्रे क्रिं सेना येन नयदा र्रे स्पर्दे पेर् न मात्रद्रायाः भारत्या विषया मार्चि । यद्राय्यक्षेत्राय्यक्षेत्राय्यक्षेत्राय्यक्षेत्राय्यक्षेत्राय्यक्षेत्रायक्षेत्रा मुम्बर्वन रे प्येत ले ता में ८ ५ अ८ में यम् ५ प्यें ५ या यहेता में ५ गी मार्य यहे यदमायार्भम्यायायेत्। महत्रक्षेम्यायेत्। व्यत्यात्रेरम्याम्यराष्ट्रराञ्गतः वर्चेन न्या में मु मु ने ने न माया अद में विया मीया अमी साम अभीया स्था चेद्रात्रशर्थेद्रायत्दार्थेद्रायत्दार्थेत्राद्यमार्थेद्रा ध्वीत्रायहृद्रात्महेत्राचीः भ्राया पर्ने प्राप्ति मान्य विषा प्राप्त हैया है। कुर्के दाय पर्मे प्राप्ति मानीया यमप्रेनम्भर्भेगम्य गुर्नेभ्य य मेर्ड्यभेष्ट्र य निग्नुसेनम्य भर्केम्प्रेन

<u> </u> ५२ देय इसस चु चे प्राप्त प्राप्त

(१) र्वेदि रें मुद्द मी माठेब प्रसूबा प्रदर्भा माठेब पा मार्या मार्या प्रतिपा १८७०। ये हिना के देमाब प्रयो सून गर्म

रियोर्स्न्यायामुयामुयामुद्यायम् यिद्राक्षा विद्याक्षा विद्याक्षाया १००० विद्यान्य विद्यान्य । १००० विद्यान्य विद्यान्य । १००० विद्यान्य विद्यान्य । १००० विद्यान्य विद्यान्य । १००० विद्यान्य । १०० विद्यान्य । १० विद्यान्य । १०० विद्यान्य । १०० विद्यान्य । १० विद्यान्य । १० विद्यान्य । १० विद्यान्

(व) र्मुर्म्भ मुद्दायर्मित्। र्लेमाया प्रदामीया य उ००५। यम ग्रीमा। गामा सुतु से देमाया द्यो सुमायदा

र्द्धि प्रत्यां वित्र वित्र वित्र के कि कि स्मित्र कि सित्र कि सि

पि र्यद्यापत्त्वम् १९९९. भ्रीत्यम् माश्रात्त्रम् प्रित्या भुन्द्रम् माश्रीत्या भुन्द्रम् माश्रीत्या भुन्द्रम् माश्रीत्या भुन्द्रम् भ्रीत्या भूत्या भ